E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -161 | प्रयागराज, गुरूवार 11 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले-मोदी अच्छे मित्र, ट्रेड बैरियर पर उनसे बात करूंगा,मोदी बोले- मैं इंतजार कर रहा हूं, बेहतर डील करने के लिए टीमें बात कर रहीं

वॉशिंगटन। भारत-अमेरिका ट्रेड डील नेगोशिएशन और टैरिफ टेंशन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वॉशिंगटन और दिल्ली के बीच चल रही बातचीत जल्द किसी बेहतर नतीजे पर पहुंचेगी। ट्रम्प ने कहा कि वे सभी तरह के ट्रेड बैरियर खत्म करने के लिए आने वाले हफ्तों में प्रधानमंत्री मोदी से बात करेंगे। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच ट्रेड बैरियर को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। आने वाले हफ्तों में मैं अपने बहुत अच्छे दोस्त, पीएम मोदी से बात के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि दोनों महान देशों के लिए एक सफल नतीजे पर पहुंचने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।' ट्रम्प के इस पोस्ट के करीब 5 घंटे बाद पीएम मोदी ने भी एक एक्स पोस्ट में लिखा, 'भारत और अमेरिका अच्छे दोस्त और नेचुरल पार्टनर हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि हमारी ट्रेड नेगोशिएशन भारत-अमेरिका पार्टनरशिप के असीमित संभावनाओं को खोलने का रास्ता बना देगी। हमारी टीमें इन चर्चाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए मेहनत कर रही हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रम्प से बात करने का भी इंतजार कर रहा हूं। हम साथ मिलकर दोनों देशों के लोगों के लिए एक बेहतर और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करेंगे।' इससे पहले 6 सितंबर को ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में भारत-अमेरिका संबंधों को बहुत ही खास रिश्ता कहा था। उन्होंने कहा था कि वे और पीएम मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। उन्होंने कहा था, 'मैं हमेशा तैयार हूं, मैं हमेशा पीएम मोदी का दोस्त रहूंगा। वह एक महान पीएम हैं। उनकी दोस्ती हमेशा रहेगी, लेकिन इस समय वह जो कर रहे हैं वो सब मुझे पसंद नहीं आ रहा है। लेकिन भारत और अमेरिका के बीच एक बहुत ही खास रिश्ता है। चिंता की कोई बात नहीं है। दोनों के बीच कभी-कभी कुछ पल ऐसे भी आते हैं।' दरअसल, अमेरिका ने भारत पर ज्यादा टैरिफ वसूलने और रूस से तेल खरीदने की वजह से कुल 50फीसदी का टैरिफ लगाया है, जिसके चलते भारत का करीब

85 हजार करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इससे दोनों देशों के संबंधों में फिलहाल कड़वाहट है। हालांकि, दोनों देशों की टीमें एक बेहतर ट्रेड डील पर पिछले 6 महीने से बात कर रही हैं। इससे पहले शुक्रवार, 5 सितंबर को एससीओ समिट में पीएम मोदी, रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी प्रेसिडेंट जिनपिंग को एक साथ देखकर कहा था कि रूस और भारत अब चीन के पाले में जा चुके हैं। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा था- 'ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उम्मीद है उनका भविष्य अच्छा होगा।'भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर 27 अगस्त से 50फीसदी टैरिफ लागू है हो गया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नया टैरिफ भारत के लगभग रु5.4 लाख करोड़ के एक्सपोर्ट को प्रभावित कर सकता है।

सी.पी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे,विपक्षी वोट मिलने के भी कयास

कभी नाम की वजह से केंद्रीय मंत्री नहीं बन पाए थे

नयी दिल्ली। सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन ने इंडिया कैंडिडेट सुदर्शन रेड्डी को 152 वोटों के अंतर से हराया। मंगलवार को हुए मतदान में 788 में से 767 (98.2फीसदी) सांसदों ने वोट डाला। राधाकृष्णन को 452 वोट और

सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। 15 वोट अमान्य करार दिए गए। चुनाव में कम से कम 14 विपक्षी सांसदों के एनडीए के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की अटकलें हैं। दरअसल, एनडीए के पास 427 सांसद थे। वाईएसआर कांग्रेस के 11 सांसदों ने राधाकृष्णन को समर्थन दिया था। इन्हें जोड़कर 438 वोट ही बनते हैं। लेकिन राधाकृष्णन को 14 ज्यादा यानी 452 वोट मिले हैं। भाजपा का दावा है कि विपक्षी दलों की तरफ से 15 क्रॉस वोटिंग भी हुई है और कुछ विपक्षी सांसदों ने जानबूझकर अमान्य वोट डाले। वोटिंग के बाद विपक्ष ने अपने सभी 315 सांसद एकजुट होने का दावा किया। हालांकि, नतीजों में ऐसा नहीं दिखा। राधाकृष्णन अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में दो बार कोयंबटूर से सांसद बने। वे एक बार केंद्रीय मंत्री बनने के बेहद करीब थे। लेकिन एक जैसे नाम के कारण पार्टी प्रबंधकों से चूक हुई और एक अन्य नेता पोन राधाकृष्णन को पद सौंप दिया गया था। भाजपा का दक्षिण की राजनीति पर फोकस है। क्योंकि पार्टी वहां पर कमजोर है। एक मात्र राज्य आंध्र प्रदेश है, यहां टीडीपी के साथ मिलकर भाजपा ने एनडीए की सरकार बनाई है। कर्नाटक, तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है। तमिलनाडु में डीएमके और केरल में लेफ्ट की सरकार है। ऐसे में भाजपा की नजर राधाकृष्णन के जरिए अपनी राजनीतिक स्थिरता और मजबूत करने की है। 2026 में तमिलनाडु-केरल में विधानसभा चुनाव- तमिलनाडु में 2026 में विधानसभा चुनाव होगा। इस बार भाजपा की नजर वोट शेयर बढ़ाने पर होगी। 2021 में 20 सीटों पर चुनाव लड़कर 4 सीटें जीती थीं। पार्टी का वोट शेयर केवल 2.6 प्रतिशत रहा था। केरल में 140 सीट पर 2026 में विधानसभा चुनाव होना है। मौजूदा विधानसभा में भाजपा का कोई सदस्य नहीं है। 2021 में हुए चुनाव में भाजपा एक सीट भी जीत नहीं पाई थी। इस बार के चुनाव में भाजपा को खाता खोलने की उम्मीद होगी।उपराष्ट्रपति चुनाव इस बार विचारधारा आधारित रहा। आमतौर पर इस तरह के चुनाव में भाषा या क्षेत्र की पहचान भी असर डालती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। एनडीए कैंडिडेट राधाकृष्णन को तमिलनाडु की सबसे बड़ी पार्टी डीएमके ने एक भी वोट नहीं दिया, जबकि विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी तेलुगु भाषी होने के बावजूद आंध्र प्रदेश की टीडीपी और वाईएसआरसीपी ने भी वोट नहीं दिया। दोनों कैंडिडेट्स को उनके अपने राजनीतिक ब्लॉक यानी एनडीए और इंडिया के वोट मिले। तमिलनाडु में अगले साल चुनाव हैं, लेकिन डीएमके ने राधाकृष्णन को वोट न देकर यह संदेश दिया कि जो भी पार्टी एनडीए के साथ है, वह तमिलों के साथ जरूरी नहीं है। वहीं टीडीपी के एक नेता ने कहा- ह्विप न होने के बाद भी एनडीए को वोट देने का मतलब साफ है कि सत्ताधारी और विपक्षी पार्टी के नेतृत्व की संगठन पर मजबूत पकड़ है। बीजेडी और बीआरएस जैसी पार्टियों ने इस चुनाव में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन उनके सांसद भी पार्टी के फैसले के अनुसार वोट देने में बंधे रहे। राधाकृष्णन की जीत पर रिएक्शन- हार के बाद सुदर्शन रेड्डी ने कहा- आज, सांसदों ने भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में अपना फैसला सुना दिया है। मैं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में अटूट विश्वास के साथ इस परिणाम को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को उनके कार्यकाल की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- यह एक चुनाव से कहीं बढ़कर था, यह विचारधारा की लड़ाई थी। हमें उम्मीद है कि नए निर्वाचित उपराष्ट्रपति संसदीय परंपराओं के मूल्यों को बनाए रखेंगे।

नेपाल अब सेना के कंट्रोल में,फिर भी हिंसा जारी, सुप्रीम कोर्ट में खाक हुईं 25 हजार फाइलें

काठमांडू। नेपाल में सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी आंदोलन का आज चौथा दिन है। हिंसक प्रदर्शन रोकने के लिए सेना ने मंगलवार रात 10

बजे से पूरे देश का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है। इसके बाद भी कई इलाकों में हिंसा जारी है। प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार शाम को सुप्रीम कोर्ट में आग लगा दी थी, जिसके चलते 25 हजार से ज्यादा केस फाइलें राख में बदल गईं। वहीं, आज सेना ने 27 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। सेना का कहना है कि ये लोग स्थिति का गलत फायदा उठाकर तोड़फोड़, अराजकता, लूटपाट, आगजनी और जान-माल को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे थे।

पुलिस ने इनके पास से 33.7 लाख रुपए नकद भी बरामद किए हैं। इसके अलावा 23 बंदूकें, मैगजीन और गोलियों सहित 31 अलग-अलग तरह के हथियार भी जब्त किए गए हैं। केपी शर्मा ओली पीएम पद से इस्तीफा देकर काठमांडू छोड़ चुके है। यहां हिंसक प्रदर्शन में अब तक 22 लोगों की मौत हुई, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं।

3 पूर्व प्रधानमंत्रियों के घर जलाए आंदोलनकारियों ने कल नेपाल के 3 प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, झालानाथ खलान और पुष्प कमल दहल प्रचंड के घर में आग लगा दी।पूर्व पीएम झालानाथ खनाल के घर में आग लगाने से उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार गंभीर रूप से जल गईं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को उनके घर में घुसकर पीटा, जबकि वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को काठमांडू में उनके घर के पास दौड़ा-दौड़ाकर मारा। नेपाल के दिल्लीबाजार जेल से कैदियों ने भागने की कोशिश की, हालांकि वो इसमें कामयाब नहीं रहे। सेना ने बताया कि स्थिति को काबू करने के लिए सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी गई है। कैदी सड़कों पर नारे लगाते हुए उतर आए थे, जबकि सेना ने आवाजाही रोकने के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी है। नेपाली सेना ने नेपाल में फंसे सभी विदेशी नागरिकों से आस-पास के सुरक्षा अधिकारियों या कर्मियों से संपर्क करने को कहा है।

सेना ने होटलों, पर्यटन संचालकों और दूसरे संगठनों से भी टूरिस्टों की मदद करने की अपील की है। सेना ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी की है-टेलीफोनः 01-5979571 ईमेल- dte-dpr@nepalarmy.mil.np नेपाल के चितवन जिले में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट और सरकारी वकीलों के ऑफिस में आग लगाई गई, जिससे कई कागजात नष्ट हो गए। सुप्रीम कोर्ट परिसर में वाहनों में आग लगा दी गई। आईटी कक्ष में घुस गए।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

राहुल गांधी का काफिला रोका गया,पुलिस-भाजपा कार्यकर्ताओं की धक्कामुक्की,मंत्री दिनेश सिंह रास्ते पर बैठे

रायबरेली। रायबरेली में राहुल गांधी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा। पीएम को गाली देने मामले को लेकर योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह अपने समर्थकों के साथ राहुल के रास्ते में धरने पर बैठ गए। राहुल वापस जाओ के नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन के चलते राहुल का काफिला करीब 1 किलोमीटर पहले ही रोक दिया गया। पुलिस मंत्री दिनेश सिंह को उठाने पहुंची तो भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ धक्कामुक्की भी हुई। इस दौरान राहुल का काफिला 5 मिनट रुका रहा। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह वही हैं, जिन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ा था। राहुल ने बटोही रिसॉर्ट में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा- पहले लोग कहते थे कि दाल में जरूर कुछ काला है। लेकिन किसी के पास कोई सबूत नहीं थे। अब सबूत हैं। वोट चोरी हो रही है। इसे रोकना होगा। विरोध के बाद भी चुनाव आयोग तानाशाही कर रहा है। बुधवार सुबह साढ़े 8 बजे राहुल गांधी दिल्ली स्थित अपने आवास से रायबरेली के लिए रवाना हुए। दिल्ली एयरपोर्ट से फ्लाइट लेकर लखनऊ पहुंचे और वहां से सड़क मार्ग से रायबरेली पहुंचे। राहुल आज और कल यानी 10 और 11 सितंबर को रायबरेली में रहेंगे।

लोकसभा चुनाव जीतने के बाद यह उनका छठा रायबरेली दौरा है। इधर, रायबरेली में राहुल के दौरे को लेकर सपा प्रदेश सचिव लोहिया वाहिनी राहुल निर्मल बागी का एक पोस्टर चर्चा में हैं। इसमें राहुल-अखिलेश और तेजस्वी को ब्रह्मा, विष्णु, महेश के रूप में दर्शाया गया है। पोस्टर को लेकर राहुल निर्मल बागी ने कहा- जिस तरह राहुल, अखिलेश और तेजस्वी दबे कुचले लोगों की आवाज बनकर उभरे हैं। निश्चित रूप से वे कलयुग के ब्रह्मा विष्णु और महेश का अवतार हैं। पोस्टर को लेकर भाजपा प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा- राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव राजनीति के इच्छाधारी हिंदू हैं, जो चुनाव आते ही अपना रूप और रंग बदल लेते हैं। राहुल गांधी ने अशोक स्तंभ का लोकार्पण करने के बाद कहा- इस समय का एक ही नारा देश में चल रहा है वोट चोर, गद्दी छोड़। ये पूरे देश में साबित हो गया है। इसे हम हमेशा ऐसे साबित करते रहेंगे। प्रजापति सम्मेलन में शामिल होने के बाद राहुल गांधी दोपहर 1:05 बजे गोरा बाजार चौराहे पर स्थित अशोक स्तंभ का लोकार्पण किया। जिसके बाद उन्होंने कहा- पूरे भारत में कांग्रेस की बढ़ती हुई लोकप्रियता के चलते हर प्रदेश में भाजपा पार्टी के कार्यकर्ता लगातार कांग्रेस का विरोध कर रहे हैं। कहीं ना कहीं उनको लग रहा है कि भविष्य उनके घर में है। कैबिनेट मंत्री दिनेश प्रताप के राहुल गांधी के विरोध करने को लेकर कांग्रेस नेता व पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने कहा - बड़ी ओछी हरकत है। छोटी हरकत है। आप लोगों ने एक देसी कहावत सुनी होगी कि अपनी गली में कौन ललकारता है? ऐसी ही कहावत को ही दिनेश प्रताप सिंह द्वारा की गई हरकत दर्शाती है। जिस तरीके से दिनेश प्रताप सिंह ने 40 लफंडरों को लेकर सांसद राहुल गांधी के काफिले को रोकने की कोशिश की वह नितांत निंदनीय है। पूर्व एमएलसी ने कहा- दिनेश प्रताप सिंह चारों धाम की यात्रा कर चुके हैं, जब बसपा में थे उन्होंने तब उन्होंने कहा कि बहन मायावती ने मुझे बचाया है, और बाद में उनको भी गालियां दीं। उसके बाद मुलायम सिंह यादव की शरण में गए तो मुलायम सिंह यादव को भी अपना सर्वेसर्वा बताते हुए बाद में उनको भी गालियां दीं।

इलेक्शन कमीशन की राज्य अधिकारियों के साथ बैठक,बिहार में आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानने का निर्देश

नयी दिल्ली। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित इलेक्शन कमीशन के सीनियर अधिकारियों की बुधवार को राज्य चुनाव अधिकारियों के साथ मीटिंग जारी है। इसमें देशभर में वोटर्स लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन (एसआईआर) यानी वोटर्स वेरिफिकेशन, कराने की तैयारियों को लेकर चर्चा की जा रही है। आयोग ने कहा है कि बिहार के बाद, पूरे देश में एसआईआर लागू किया जाएगा। इस साल के अंत में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह शुरू हो सकती है। इसका मुख्य मकसद जन्म स्थान की जांच करके अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना है। फरवरी में मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार संभालने के बाद ज्ञानेश कुमार की यह तीसरी बैठक है। इसमें सीनियर अधिकारी जहां आयोग की एसआईआर पॉलिसी पर प्रजेंटेशन देंगे, वहीं बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसआईआर के क्रियान्वयन में राज्य का एक्सपीरियंस शेयर करेंगे। इससे पहले, चुनाव आयोग ने मंगलवार को बिहार चुनाव आयोग को लेटर

भेजकर मतदाताओं की पहचान के लिए आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने का निर्देश दिया। चुनाव आयोग का यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के 8 सितंबर के आदेश के बाद आया है। कोर्ट में 8 सितंबर को बिहार में एसआईआर (वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने कहा- आधार पहचान का प्रमाण पत्र है, नागरिकता का नहीं। कोर्ट ने चुनाव आयोग को वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर मानने का भी आदेश दिया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि आधार को लेकर अगर किसी तरह की शंका हो तो इसकी जांच कराएं। कोई भी नहीं चाहता कि अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल किया जाए। चुनाव आयोग के अनुसार, एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट करना और अवैध मतदाताओं जैसे विदेशी नागरिकों, मृत व्यक्तियों या स्थानांतरित लोगों को हटाना है। इस बीच कई राज्यों में बांग्लादेश और म्यांमार से आए प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई चल रही है। चुनाव आयोग ने एसआईआर के लिए 2 तरीके बताए- पहलाः बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर, एक प्री-फील्ड फॉर्म गणना प्रपत्र (मतदाता की जानकारी और दस्तावेज) लेकर जाएंगे। दूसराः कोई भी व्यक्ति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर यह फॉर्म डाउनलोड करके उसे भर सकता है। स्क्रीनिंग के 4 नियम- वोटर का नाम अगर 2003 की लिस्ट में है तो कोई दस्तावेज नहीं देना होगा। सिर्फ फॉर्म भरना होगा। 1 जुलाई 1987 से पहले जन्म हुआ है तो जन्मतिथि या जन्मस्थान प्रमाण देना होगा। 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्म हुआ तो जन्मतिथि और जन्मस्थान दोनों का प्रमाण देना होगा। 2 दिसंबर, 2004 के बाद जन्मे हैं तो जन्मतिथि, जन्मस्थान का प्रमाण और माता-पिता के दस्तावेज देने होंगे। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चला। पूरे सत्र के दौरान विपक्ष ने संसद परिसर और सदन में प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसद बिहार एसआईआर पर चर्चा कराने की मांग करते रहे। उनके विरोध और हंगामे के कारण दोनों सदनों में आखिरी दिन भी सदन की कार्यवाही नहीं हो सकी।

वकील बनकर कोर्ट पहुंचा भाजपा नेता का कातिल,उदय ने कोर्ट में किया सरेंडर

प्रयागराज। भाजपा नेता रणधीर यादव का अपहरण कर हत्या करने और लाश के 8 टुकड़े

करने के मुख्य आरोपी डॉ. उदय यादव ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। पुलिस की तीन टीमें उदय की तलाश में प्रयागराज समेत आसपास के जिलों में छापेमारी करती रहीं, लेकिन उदय हाथ नहीं आया। 22 दिन बाद बुधवार को शातिर उदय वकील के ड्रेस में कोर्ट पहुंच गया। काली पैंट, सफेद शर्ट, सिर पर टोपी लगाए उदय वकीलों की भीड़ में शामिल होकर अदालत पहुंचा। उसके वकीलों ने पहले से तैयारी कर रखी थी। कोर्ट में सरेंडर करा दिया गया। सरेंडर करने उदय की फोटो भी सामने आ गई। इसके बाद पुलिस टीमों में खलबली मची। खबर पाकर कर्नलगंज थाने की पुलिस समेत क्राइम ब्रांच की टीम पहुंच गई। कचहरी के बाद पुलिस टीमों ने घेराबंदी कर ली ताकि कोई अनहोनी न हो।एसीपी सोरांव वरुण कुमार ने बताया- आरोपी उदय के सरेंडर करने की जानकारी हुई है। पुलिस अब उदय को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। हत्याकांड में कई और मददगार के नाम सामने आए हैं। उदय उनके बारे में भी बताएगा। पुलिस जल्द ही रिमांड की अर्जी डालेगी।

फाफामऊ पुल बंद, अल्टरनेटिव रास्ता 32किमी ज़्यादा लम्बा,रोडवेज बसों का किराया 39 रुपए बढ़ा

प्रयागराज। चंद्रशेखर आज़ाद ब्रिज यानी फाफामऊ पुल 10 सितंबर की रात 10 बजे से पूरी तरह बंद कर दिया गया है। जो कि 15 दिन यानी 25 सितंबर तक बंद रहेगा। पुल पर बड़े वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह रोक दिया गया है और केवल टू-व्हीलर को ही गुजरने की अनुमति दी जा रही है। पुल बंद होते ही दोनों ओर सड़कों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। किसी भी फोर व्हीलर या बड़े वाहन को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। इमरजेंसी सेवाओं से जुड़े वाहनों के लिए भी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है।यह पुल लखनऊ, प्रतापगढ़, फैजाबाद, रायबरेली, गोंडा, बहराइच, गोरखपुर, बस्ती और सुल्तानपुर जैसे जिलों को जोड़ने वाला एक मुख्य मार्ग है। पुल बंद होने से हजारों गाड़ियों को अब लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है। वैकल्पिक बाईपास रास्ते संकरा और कठिन हैं, जिससे सफर काफी मुश्किल और थकाने वाला हो गया है।फाफामऊ पुल बंद होने पर

विकल्प के रूप में सहसों मार्ग लोगों के लिए उपलब्ध रहेगा लेकिन फाफामऊ से शहर की दूरी करीब 32 किलोमीटर बढ़ जाएगी। ऐसे में गांव देहात से आने वाले गंभीर मरीजों को परेशानी होगी। रोज हजारों एम्बुलेंस शहर में गम्भीर मरीजों को लेकर शहर के बड़े अस्पतालों में आती हैं। उनको 32 क्र अतिरिक्त सफर करना होगा। इस स्थिति में एम्बुलेंस तक के लिए कोई विकल्प नहीं हैं। शांतिपुरम और फाफामऊ से प्रतिदिन शहर आने-जाने वाले छात्रों, कर्मचारियों और व्यापारियों के लिए यह स्थिति किसी संकट से कम नहीं है। स्कूल जाने वाले बच्चों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। जो लोग रोज़ शहर आते हैं, उन्हें अब 32 किलोमीटर लंबा रास्ता सहसों मार्ग से तय करना पड़ रहा है, जिससे न केवल समय बल्कि किराया भी बढ़ गया है।लंबे रास्ते और बढ़े समय की वजह से बसों का किराया भी बढ़ा दिया गया है। अब प्रयागराज से लखनऊ और अयोध्या जाने वाली सामान्य बसों का किराया 39 रुपए अतिरिक्त लिया जा रहा है, वहीं एसी बसों का किराया 75 रुपए तक बढ़ा दिया गया है। इससे आम जनता की जेब पर सीधा असर पड़ा है।

फांसी लगा के झूल गयी छात्रा का दर्द,बोली- प्रेमी के जेल से बाहर आने पर शादी करूंगी, उसके भाई ने थप्पड़ मारे,संबंध बनाए

प्रयागराज। जंक्शन स्टेशन पर चार सितंबर को महाबोधि एक्सप्रेस से उतारी गई बिहार के नवादा की

रहने वाली एक नाबालिग छात्रा का मामला खुफिया एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बन गया। दरअसल, परिजनों से नाराज होकर घर छोड़कर निकली यह छात्रा सोशल मीडिया पर एक पाकिस्तानी युवक के संपर्क में थी और उसी से मिलने दिल्ली जा रही थी। जानकारी के अनुसार, कक्षा दसवीं में पढ़ने वाली छात्रा का पिछले महीने इंस्टाग्राम पर पाकिस्तान के एक छात्र से परिचय हुआ था। दोनों के बीच लगातार बातचीत होने लगी। परिजनों को जब इसका पता चला तो उन्होंने डांट-फटकार लगाई, जिसके बाद छात्रा घर से भाग निकली। उसने एक अन्य युवती से भी सोशल मीडिया के जरिये दोस्ती की थी, जिसने उसे पेटीएम से पैसे भेजकर यात्रा में मदद की। छात्रा ने बुर्का पहनकर महाबोधि एक्सप्रेस से दिल्ली जाने की योजना बनाई।इस बीच उसके परिजनों ने छात्रा के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। बिहार पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रैक की और सूचना प्रयागराज आरपीएफ को दी। चौकसी बढ़ाते हुए आरपीएफ ने प्रयागराज जंक्शन पर छात्रा को पकड़ लिया। उसे तत्काल चाइल्ड लाइन और बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सौंपा गया। काउंसिलिंग के दौरान छात्रा ने कबूल किया कि वह पाकिस्तान के युवक से सोशल मीडिया पर चैटिंग करती थी और उसके बुलावे पर दिल्ली जा रही थी। जांच एजेंसियों ने उसके मोबाइल की पड़ताल की, जिसमें इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर पाकिस्तान से जुड़े चैट मिले। हालांकि पूछताछ में अब तक कोई आपत्तिजनक बात सामने नहीं आई। खुफिया एजेंसियों और आईबी ने भी छात्रा से विस्तार से पूछताछ की। सवाल पूछा गया कि वह पाकिस्तान क्यों जाना चाहती है, किससे मिलने वाली थी और कैसे संपर्क हुआ। फिलहाल इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को देखते हुए गंभीरता से जांचा जा रहा है। तीन दिन की पूछताछ और काउंसिलिंग के बाद सीडब्ल्यूसी के आदेश पर छात्रा को उसके परिजनों और बिहार पुलिस के हवाले कर दिया गया। अब बिहार पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

प्रयागराज में डंपर के टक्कर से क्लर्क पिता-बेटी की दर्दनाक मौत,स्कूल से लेकर घर लौट रहे थे

प्रयागराज। बाइक सवार पिता-बेटी को डंपर ने कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों के सिर में गंभीर चोट थी। रोड पर काफी खून फैल गया। पिता के पैर पर बेटी का शव पड़ा था। पुलिस शव को लोडर में रखकर पोस्टमॉर्टम के लिए ले गई। लोगों की भीड़ जुड़ गई। वहीं, हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भाग गया। सूचना पर पहुंची नैनी पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। भीड़ को समझा-बुझाकर रास्ता खाली कराया। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर डंपर चालक की तलाश कर रही है। हादसा नैनी थाना क्षेत्र के लेप्रोसी चौराहे पर हुआ। लाल कॉलोनी करेला बाग में रहने वाले रत्नेश श्रीवास्तव (50) नैनी के दूरवाणी नगर स्थित महर्षि विद्या मंदिर में क्लर्क थे। दो महीने पहले उनकी

नौकरी छूट गई थी। बेटी सुहानी उर्फ यशी (18) इसी स्कूल में 12वीं की छात्रा थी। पत्नी साधना विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल में टीचर हैं। रत्नेश रोज स्कूल की छुट्टी होने के बाद बेटी को बाइक से लेकर आते थे। मंगलवार दोपहर 3 बजे महर्षि विद्या मंदिर में छुट्टी होने के बाद रत्नेश बाइक से बेटी को लेकर घर लौट रहे थे। लेप्रोसी चौराहे पर बेकाबू डंपर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे पिता-बेटी सड़क पर गिर गए। इसके बाद डंपर उन्हें रौंदते हुए आगे बढ़ गया। इससे रत्नेश और बेटी यशी की मौके पर ही मौत हो गई। रत्नेश तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनका बेटा आशुतोष बीए-एलएलबी का छात्र है। वहीं, बेटी यशी पहले टैगोर पब्लिक स्कूल में पढ़ती थी। बाद में उसका महर्षि विद्या मंदिर में एडमिशन हो गया था।इंस्पेक्टर नैनी बृज किशोर गौतम ने कहा- पिता-पुत्री को कुचलने के बाद चालक गाड़ी लेकर भाग निकला। नाकेबंदी कराई गई थी, लेकिन रूट पर पकड़ा नहीं गया। सीसीटीवी खंगालने के बाद नंबर का पता चला है। जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रयागराज में रोडवेज बस पर पथराव के साथ लूट का प्रयास,कंडक्टर ने कैश बैग नहीं छोड़ा

प्रयागराज। सिविल लाइन्स इलाके में मंगलवार देर शाम अयोध्या जाने वाली रोडवेज बस

के कंडक्टर से बाइक सवार बदमाशों ने कैश बैग लूटने की कोशिश की, लेकिन ड्राइवर और कंडक्टर की हिम्मत और सूझबूझ से न केवल सरकारी कैश सुरक्षित रहा, बल्कि यात्रियों की जान भी बच गई। मिली जानकारी के अनुसार, प्रयागराज सिविल लाइन्स बस अड्डे से अयोध्या के लिए रवाना हुई बस जब सिविल लाइन्स हनुमान मंदिर पुलिस चौकी के पास पहुंची, तभी बाइक सवार दो युवक अचानक बस के गेट के पास आकर रुक गए। बदमाशों ने पहले चलती बस के गेट को तोड़ने की कोशिश की और फिर कैश बैग छीनने का प्रयास किया। दरवाजा न खुलने पर उन्होंने पत्थर से बस का शीशा तोड़ दिया और शीशे के रास्ते बस के अंदर घुसने की कोशिश की। इस दौरान बदमाशों ने कंडक्टर और ड्राइवर दोनों से मारपीट भी की। लेकिन कंडक्टर ने बैग को कसकर पकड़े रखा और उसे किसी भी कीमत पर छोड़ने से इनकार कर दिया। वहीं, ड्राइवर ने स्थिति को भांपते हुए बस को तुरंत मोड़कर वापस सिविल लाइन्स डिपो पहुंचा दिया। इस दौरान यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल रहा, लेकिन सभी सुरक्षित रहे। बस अड्डे पर पहुंचते ही ड्राइवर ने तुरंत 112 नंबर पर फोन किया। सूचना पाकर पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि बदमाशों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद यात्रियों, ड्राइवर और कंडक्टर में दहशत का माहौल बना हुआ है। ड्राइवर ने बताया कि बस प्रयागराज से अयोध्या के लिए रवाना हुई थी और अचानक बीच रास्ते में यह हमला हुआ। वहीं, रोडवेज अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों की बहादुरी की सराहना की। फिलहाल पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

मा0 राज्य सूचना आयुक्त ने की जन सूचना के लंबित प्रकरणों व जन शिकायतों की समीक्षा बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को राज्य सूचना

आयुक्त, उत्तर प्रदेश पदुम नारायण द्विवेदी का आज जनपद रायबरेली आगमन हुआ। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।

इसके उपरांत उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों संग जन सूचना से संबंधित लंबित अपीलों एवं शिकायत प्रकरणों की समीक्षा बैठक की।

समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि आरटीआई के माध्यम से प्राप्त सभी शिकायतों का निस्तारण समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाए। विलंब की स्थिति में अर्थदंड एवं विभागीय कार्यवाही की संस्तुति भी की जा सकती है।

सूचना आयुक्त ने कहा कि जन सूचना अधिनियम का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाना है। सरकार की भी यही मंशा है कि प्रशासन और आम जनमानस के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित हो।

उन्होंने जन सूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपील अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का समय से निस्तारण करें। जिन बिंदुओं

पर सूचना नहीं दी जा सकती उसके कारण का भी अवश्य उल्लेख करें। उन्होंने रायबरेली जिला प्रशासन की सराहना करते हुए

कहा कि यहाँ जन सूचना के मामलों का निस्तारण बेहतर ढंग से किया जा रहा है तथा लंबित प्रकरणों की संख्या भी अपेक्षाकृत कम है।

बैठक में आरटीआई विशेषज्ञ शैलेंद्र सिंह चौहान ने जन सूचना अधिकार अधिनियम की विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से माननीय राज्य सूचना

आयुक्त को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित भी किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा सहित जनपद के समस्त जिला

स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज कीड्गंज रेलवे क्रासिंग पर मिली लाश की हुई शिनाख्त,मां बोलीं- दो दिन पहले घर से काम पर जाने को निकला था बेटा

प्रयागराज।कीड्गंज रेलवे क्रासिंग के पास मिली लाश 40

वर्षीय युवक की पहचान हो गई है। परिवार के लोगों ने पोस्टमॉर्टम हाउस मे शव को देखकर पहचान की है। मां ने बताया कि काम के सिलसिले के बेटा दो दिन पहले घर से बाहर निकला था। जिसकी तलाश वो कर रहे थे। कैंट थाना के गंगानगर राजापुर का रहने वाला सुरेन्द्र कुमार (40) मेहनत मजदूरी कर अपना अपने परिवार का गुजर बसर करता था। रविवार को वह घर के काम पर जाने की बात कह कर निकला था। रात भर घर न आने पर परिवार ने उसकी खोजबीन शुरू की। इसी बीच थाना कीड्गंज पुलिस को रेलवे क्रासिंग के करीब सोमवार को लाश मिली। जिसे पुलिस ने लवारिस मे दाखिल कर पीएम हाउस पहचान होने तक सुरक्षित कर दिया। बुधवार को बेटे को तलाश करते हुए रुक्मणी देवी थाना कीड्गंज पुलिस के पास पहुंची। जहां से उन्हें शव की तस्वीर दिखाई गई। तस्वीर व शव को देख कर परिवार ने उसकी पहचान सुरेन्द्र कुमार के रूप मे की। मां रुक्मणी देवी ने बताया, उनका बेटा कई दिन से बीमार चल रहा था। परिवार की आर्थिक हालत को देखते हुए वह काम कर निकला था। उसकी मौत से उसके पत्नी बेटा और वह खुद अब लाचार हो गई है।शव की पहचान होने पर पुलिस ने पीएम कार्यवाही पूरी की। सुरेन्द्र की मौत की वजह पीएम रिपोर्ट मे उनके फेफड़े मे मवाद का आना बताया गया। पुलिस ने कानूनी कार्यवाही पूरी कर परिवार को शव अंतिम संस्कार के लिए सौप दिया है।

राकेश तिवारी के नेतृत्व में विश्व हिन्दू परिषद का जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन कर सौंपा गया ज्ञापन।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को विश्व हिंदू

परिषद के बैनर तले समस्त कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन। बीते दिनों बारह वफात जुलूस के दौरान सलोन कस्बे में फिलिस्तीन का झंडा फहराने को लेकर समस्त संगठनों में आक्रोश देखने को मिला। जहां आज जिला अध्यक्ष राकेश तिवारी, विवेक सिंह प्रांत मंत्री, अवध प्रांत विश्व हिंदू परिषद ने मांग की है, कि ऐसे लोगों पर राष्ट्र द्रोह का मुकदमा दर्ज कराया जाए। यह कौन लोग हैं जिन्होंने फिलिस्तीन का झंडा फहराया है और पुलिस ने किन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।इसकी भी जांच होनी चाहिए। लगातार इस तरह के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। तो इन्हीं मुद्दों को लेकर मेरी शासन और प्रशासन से मांग है ऐसे लोगों पर गंभीर कार्रवाई की जाए।

सात दिवस के अंदर न्यायालय में अपना पक्ष करें प्रस्तुतःएसडीएम महराजगंज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उप जिलाधिकारी महराजगंज गौतम सिंह ने बताया है कि न्यायालय के आदेशानुसार कम्प्यूटरीत वाद संख्या टी0-202310580101013 30प्र0 राज्य बनाम धीरेन्द्र सिह आदि अन्तर्गत धारा 38(5) 30प्र0 राजस्व संहिता 2006 ग्राम बैती पर0 कुम्हरावां तहसील महराजगंज जिला रायबरेली में प्रतिवादीगण कमशः धीरेन्द्र सिंह पुत्र ध्यानपाल सिह निवासी ग्राम बैती पर0 कुम्हरावां तहसील महराजगंज जिला रायबरेली, वर्तमान निवासी म0सं0 391/8 इन्दर एन्कलैब फेस-1 किरारी सुलेमाननगर निठारी उत्तर पश्चिम दिल्ली। योगेन्द्र सिंह पुत्र ध्यान पाल निवासी ग्राम बैती पर0 कुम्हरावां तहसील महराजगंज जिला रायबरेली, वर्तमान निवासी म0सं0 391/8 इन्दर एन्कलैब फेस-1 किरारी सुलेमाननगर निठारी उत्तर पश्चिम दिल्ली। दिनेश सिंह पुत्र ध्यानपाल सिंह निवासी ग्राम बैती पर0 कुम्हरावां तहसील महराजगंज जिला रायबरेली, वर्तमान निवासी के0 60 कृष्ण बिहारी सुल्तानपुरी सी ब्लाक उत्तर पश्चिम दिल्ली। उर्मिला पत्नी स्व0 वीरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम बैती पर0 कुम्हरावां तहसील महराजगंज जिला रायबरेली वर्तमान निवासी 555 का 0-015 शिव बिहार कालोनी मान नगर लखनऊ। रोहित कुमार चौरसिया पुत्र रमेश कुमार चौरसिया निवासी ग्राम कौशलपुरी खरगापुर लखनऊ। माया देवी पत्नी अम्बिका प्रसाद निवासी ग्राम केशर खेडा मजरे चितवनिया पर0 कुम्हरावां तहसील महराजगंज जिला रायबरेली। आशा देवी पत्नी चन्द्रिका प्रसाद निवासी ग्राम केशर खेडा मजरे चितवनिया पर0 कुम्हरावां तहसील महराजगंज जिला रायबरेली। महराजदीन पुत्र छेदालाल निवासी ग्राम बैती परगना कुम्हरावां तहसील महराजगंज जिला रायबरेली अपना पक्ष नोटिस के प्रकाशन से सात दिवस के अन्दर न्यायालय उपजिलाधिकारी महराजगंज में प्रस्तुत करे, यदि उपरोक्त अवधि में उनके द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नही किया जाता है तो यह माना जायेगा कि उन्हे इस विषय में कुछ नही कहना और तदनुसार वाद का निस्तारण गुणदोष के आधार पर कर दिया जायेगा।

योजनाओं का लाभ दिलाते हुए जनजातीय समुदाय को बनाएं सशक्त-विधायक श्रीमती मनीषा सिंह

जनजातीय समाज के उत्थान में समन्वित योगदान करें - विधायक श्री शरद कोल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जयसिंहनगर में जनपद स्तरीय ओरिएंटेशन कार्यशाला

सम्पन्न। शहडोल भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार आदि कर्मयोगी अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जनपद पंचायत जयसिंहनगर के सभागार में जनपद स्तरीय ओरिएंटेशन कार्यशाला का समापन हुआ। समापन कार्यशाला का शुभारंभ विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह एवं विधायक ब्यौहारी श्री शरद कोल ने भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर विधानसभा श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लोगों की दिनचर्या, उनकी संस्कृति एवं भावनाओं के अनुरूप ढलते हुए उनकी समस्याओं को जाने और शासन की योजनाओं से लाभांवित कराएं और उन्हें सशक्त बनाए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण लेते हुए सभी योजनाओं एवं मूलभूत बातों को ठीक तरह से समझे। अभियान के तहत प्रत्येक जनजातीय परिवार को सरकार की संचालित योजनाओं से लाभांवित कराकर सामाजिक एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। विधायक श्री शरद कोल ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में यह दल घर-घर संपर्क कर उनकी आवश्यकताओं और जरूरतों को समझकर केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। यह अभियान जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारी कर्मचारी एक प्रशिक्षक की भॉति प्रशिक्षण प्राप्त करें तथा प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को जनजातीय समाज के उत्थान हेतु करें। कार्यक्रम को जनपद अध्यक्ष श्रीमती मालती सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती शिवानी जैन, एपीओ एवं नोडल अधिकारी अनुराग निगम, मास्टर ट्रेनर डीसी मिश्रा, सहित स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, एनआरएलएम सहित अन्य विभागो के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

टीईटी अनिवार्यता पर डीएम कार्यालय पर शिक्षकों धरना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्राथमिक शिक्षकों को टीईटी परीक्षा पास करने की सरकार की फरमान के खिलाफ शिक्षकों में खासा गुस्सा है। जिसके विरोध में बुधवार को उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ के आह्वान पर जिले के सभी शिक्षक डीएम प्रयागराज के कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन करेंगे। उक्त आशय की जानकारी जिलाध्यक्ष शंकर चंद्र द्विवेदी ने दी है। उन्होंने शिक्षकों को उक्त कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की थीं।

25 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 300 किलोग्राम महुवा लहन मौके पर कराया नष्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को आबकारी अन्तर्गत सोमवंशी का पुर्वा, बसीगवा में दबिश के दौरान लगभग 25 लीटर

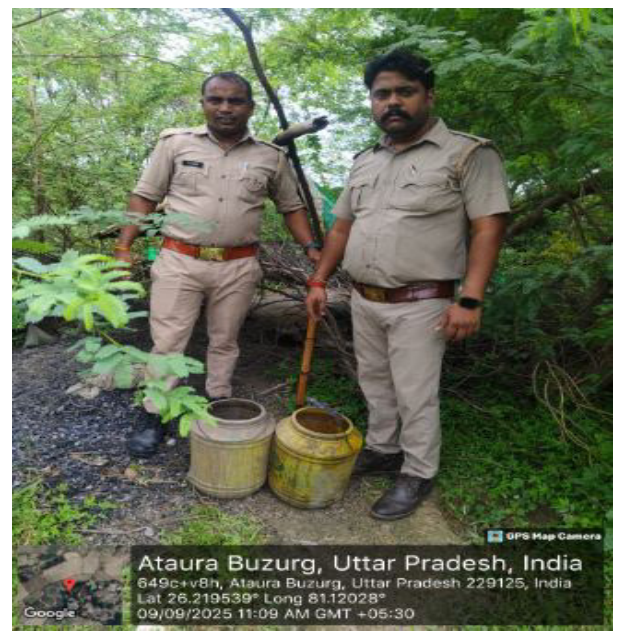

आयुक्त द्वारा दिए गये निर्देश के क्रम मे प्रवर्तन अभियान के दृष्टिगत जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के आदेशानुसार,अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार के पर्यवेक्षण में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र -1, थाना गुरुबक्सगंज के अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 300 किलोग्राम महुवा लहन मौके पर नष्ट कर 02 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

आईएमएस नोएडा में स्वास्थ्य जांच शिविर का समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा में दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। मैक्स हॉस्पिटल एवं क्लोव डेंटल के सहयोग से आयोजित

जांच शिविर के दौरान लगभग 350 छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों हिस्सा लिया। वहीं शिविर में सभी को सामान्य स्वास्थ्य जांच, डेंटल चेक-अप, नेत्र परीक्षण, त्वचा परामर्श, फेफड़ों की जांच और हड्डियों की घनत्व की निःशुल्क जांच की गयी।आईएमएस के वाइस प्रसिडेंट चिराग गुप्ता ने शिविर की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि यह पहल छात्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और उन्हें स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। आईएमएस नोएडा सदैव अपने विद्यार्थियों के कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। जांच शिविर के दौरान आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि स्वस्थ शरीर एवं सशक्त मन ही सफलता की नींव हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच से हम समय रहते रोगों की पहचान कर सकते हैं और बेहतर जीवन शैली अपना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ, आईएमएस परिवार के सभी शिक्षक, छात्रों एवं स्टाफ के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का भी समग्र विकास करना है। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, डॉ. गोविंद प्रसाद गोयल ने बताया कि स्वास्थ्य जांच शिविर में आईएमएस के सभी विभागों के लगभग 350 छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। वहीं जांच शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जरूरतमंदों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए जरूरी निःशुल्क परामर्श भी दिए।

उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ का शिक्षकों को टेट अनिवार्य किए जाने के विरोध में धरना प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ प्रयागराज द्वारा सभी

शिक्षकों के लिए टेट अनिवार्यता के खिलाफ जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।धरने को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शंकर चंद्र ने कहा कि केंद्र सरकार ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 में संशोधन कर टेट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है जो पूरी तरह से अव्यवहारिक है। जिससे लाखों शिक्षक मानसिक अवसाद की स्थिति में हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। पूर्व जिला मंत्री गोपीकृष्ण तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार अपने उस संशोधन को निरस्त कर शिक्षकों को राहत प्रदान करें।सेवा में आने के समय की अहर्ता को बाद में परिवर्तित करना सही नहीं है। धरना को वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल कुद्दूस खान, जिला मंत्री आरती जायसवाल, कोषाध्यक्ष विजय लक्ष्मी, संयुक्त मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने भी संबोधित किया।इस अवसर पर अरविंद कुमार मिश्र, गुंजन सिंह, मयंक कुमार तिवारी, मनोज कुमार पाण्डेय, रिचा मिश्रा, अपर्णा योगेश्वर, कमलेश यादव, देवेन्द्र सिंह, रतन शर्मा, मनोज कुमार शुक्ल सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।अंत में अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्रा को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।

नोएडा शहर में कुत्तों की समस्या पर फोनरवा टीम पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल से की मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। फोनरवा टीम ने आज दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल से मुलाकात की। यह बैठक नोएडा शहर में बढ़ती आवारा एवं खतरनाक कुत्तों की समस्या को लेकर चर्चा की गई। बैठक में फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय भाटी तथा कोषाध्यक्ष पवन यादव, भाजपा क्षेत्रीय सह मीडिया संपर्क विभाग से मनोज शर्मा शामिल रहे। बैठक के दौरान निम्न बिंदुओं पर चर्चा हुई:-नोएडा में आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाना। कुत्तों के लिए अधिक केंद्र (डॉग शेल्टर) स्थापित करना। खतरनाक एवं आवारा कुत्तों की पकड़ को सख्ती से लागू करना। समस्या के स्थायी समाधान हेतु देशव्यापी मुहिम का स्वरूप देना। बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक पीड़ित रहते है खतरनाक कुत्ते कभी भी जानलेवा हमला कर देते है। चर्चा अत्यंत सकारात्मक रही और निर्णय लिया गया कि इसे एक राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया जाएगा। साथ ही विजय गोयल को नोएडा आने का आमंत्रण भी प्रदान किया गया।

शहडोल जयसिंहनगर जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवरी मे सचिन रमाकांत द्विवेदी द्वारा खुलेआम भ्रष्टाचार किया जा रहा है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सचिव रमाकांत द्विवेदी की शासन प्रशासन मिलीभगत के कारण वरिष्ठ अधिकारिय कलेक्टर महोदय तक शिकायत की गई है उसके बाद भी कोई करवाई नहीं की जा रही है। पंचायत देवरी का मामला जनता का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा दिन प्रतिदिन जनता का आरोश बढ़ता हि जा रहा जबकि पिछले वर्ष भी एपीओ के द्वारा जांच कर सचिव को देवरी पंचायत से हटा कर दूसरे पंचायत के लिए बोला गया था लेकिन राजनीतिक दबाव के कारण आज दिनांक तक कुछ नहीं हुआ और मामला को दबा दिया गया कहीं न कहीं शासन प्रशासन का दबाव देखने को मिलता है, मामला देवरी पंचायत का है जहां सचिव रमाकांत द्विवेदी के ऊपर गंभीर भ्रष्टाचार का आरोप है ग्राम पंचायत देवरी में पदस्त सचिव रमाकांत द्विवेदी लगातार भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे है जिसमे कई बार प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कई बार प्रकाशित हो चुका हैं इसके बाद भी कठोर कारवाही नहीं हो रही है, मिली जानकारी केनुसार शासन प्रशासन के मिली भगत से सचिव रमाकांत द्विवेदी से मोटी रकम कमीशन लेकर मामला को दबा दिया जाता है वैसे भी सचिव ष्ट्रथ मैडम के सामने और जनता जनार्दन के सामने भी बोलते है मुझे जहां मोटी रकम मिल जय ले लूंगा सचिव बोलते हैं कि 10फीसदी सीईओ स्ठरूऔर ऊपर अधिकारी कर्मचारियों को देता हूं तो मैं जनता से क्यों न लूं लूंगा जिसको जहां शिकायत करना हो करें मेरा कोई कुछ नहीं बिगड़ पाएंगे 19 अगस्त को देवरी पंचायत के 300 के आस पास जनमानस शहडोल कलेक्ट्रेट पहुंच कर नारे बाजी के साथ सचिव रमाकांत को हटाने के लिए और देवरी पंचायत को भ्रष्टाचार मुक्त करने लिए दिए ज्ञापन पर श्री मन कलेक्टर महोदय वेक द्वारा आश्वासन दिया गया कि 7 दिवस के अंदर जांच कर उचित कारवाही होगी जिसके आज्ञा पालन पर, श्चथ अनुराग निगम और स्ठरू काजोल सिंह देवरी ग्राम पंचायत में आकर जांच कर सब कुछ सचिव रमाकांत द्विवेदी के खिलाफ पाया ओर जनता से लिखित और मौखिक बयान लेकर जनता को आश्वासन दिया गया कि सचिव रमाकांत द्विवेदी के ऊपर उचित कार्यवाही होगी परन्तु आज दिनांक तक कोई कारवाही नहीं हुई.

उसी तारतम्य में सरपंच ने भी सचिव को देवरी पंचायत से हटाने के लिए के लिए लिखित और मौखिक बयान दिया गया, ग्राम पंचायत देवरी की जनता का आक्रोश बढ़ता हि जा रहा है कि अगर देवरी से सचिव रमाकांत द्विवेदी को नहीं हटाया गया तो हम चुप नहीं बैठेंगे और जनता जनार्दन ये भी कहा कि इतने कारवाही के बाद भी अगर कुछ नहीं हुआ तो हम सचिव रमाकांत को हटाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है जिसकी पूर्ण जवाब दरी शासन प्रशासन की होगी आज दिनांक तक सचिव के ऊपर नहीं हुई कारवाही कहीं न कहीं राजनीतिक दबाव है अब देखना होगा शासन प्रशासन मौन रहती या कुछ कठोर कदम उठाती है।

जिलाधिकारी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 को लेकर आरडब्ल्यूए व एओए पदाधिकारियों के साथ की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने आज ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट के सभागार में आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 (तृतीय संस्करण) को लेकर आरडब्ल्यूए व एओए पदाधिकारियों से संवाद करते हुए उनका इस भव्य आयोजन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु आह्वान किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि 25 से 29 सितम्बर, 2025 तक आयोजित होने वाला यह ट्रेड शो प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, औद्योगिक प्रगति तथा उद्यमशीलता का अंतर्राष्ट्रीय मंच होगा। उन्होंने बताया कि इस मेगा इवेंट में देश-विदेश के प्रमुख उद्यमी, निवेशक, निर्यातक तथा क्रेता- विक्रेता शामिल होंगे। बैठक में जिलाधिकारी ने आरडब्ल्यूए व एओए पदाधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के निवासियों को इस ट्रेड शो में भाग लेने हेतु प्रेरित करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन का लाभ उठा सकें।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की गौरवशाली पहचान को सुदृढ़ करेगा और 'वोकल फॉर लोकल' की दिशा में भी एक अहम कदम सिद्ध होगा।

जिलाधिकारी ने आयोजन के दौरान आगंतुकों की सुविधाओं, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, स्वच्छता एवं सुरक्षा जैसे पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दिए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनभागीदारी से ही इस आयोजन को सफल बनाया जा सकेगा।

इस दौरान आरडब्ल्यूए व एओए पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को आश्वस्त किया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के भव्य आयोजन में हमारी ओर से पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा।बैठक में अपर जिला अधिकारी मंगलेश दुबे, इंडिया एक्सपो मार्ट के वरिष्ठ अधिकारी, आरडब्ल्यूए, एओए पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा के सेक्टर 15 में मृत बछड़े के मिलने पर विश्व हिन्दू परिषद् ने पुलिस की लापरवाही बताया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। के सेक्टर 15 में एक मृत बछड़ा पाया गया, जिसकी सूचना है। मृत बछड़े के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ताकि मृत्यु का सही कारण पता

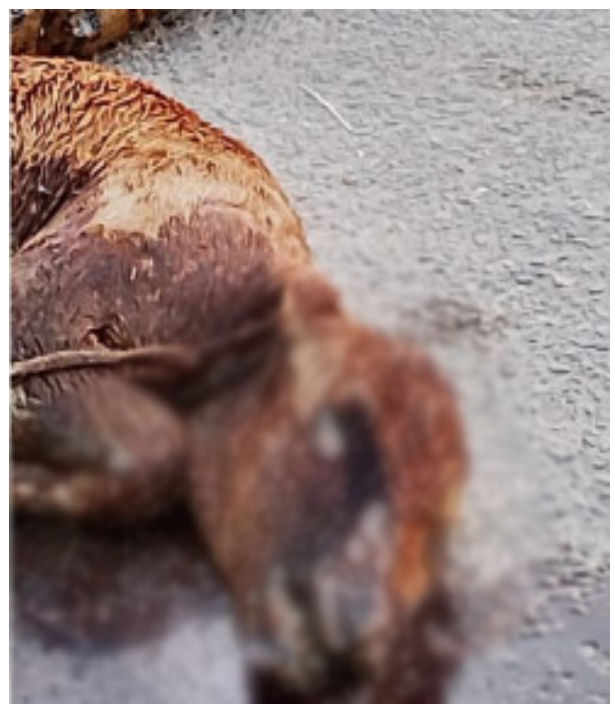

विश्व हिन्दू परिषद् नोएडा महानगर के अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी और विभाग संयोजक सुमित यादव ने स्थानीय पुलिस को दी। उन्होंने पुलिस से इस घटना की गहन जांच 48 घंटे के भीतर पूरी करने की मांग की।सूचना मिलते ही, नोएडा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने तत्काल घटनास्थल का दौरा किया और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के संबंध में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की मांग की गई चल सके। नोएडा पुलिस इस मामले को पूरी गंभीरता से ले रही है और दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है। पुलिस ने आम जनता से शांति बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। नोएडा महानगर के प्रचार प्रसार राहुल दुबे ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास इस घटना से संबंधित कोई जानकारी है, तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करे। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी।

एसडीओ ने विद्युत संबंधी समस्याओं को जानने के लिए पॉकेट 7 सेक्टर 82 का किया दौरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। विद्युत विभाग के एसडीओ दिनेश कुमार ने पॉकेट 7 सेक्टर 82 का दौरा कर वहां की समस्याओं को जाना। आरडब्ल्यूए की टीम ने उन्हें मौके पर ले जाकर समस्या से अवगत कराया । इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि कई मीटर पैनल बॉक्स अभी भी जर्जर अवस्था में हैं जिससे कोई हादसा हो सकता है जिनको तुरंत बदलवाने की आवश्यकता है। आधे से ज्यादा केबल को अंडर ग्राउंड कर दिया गया था लेकिन बाकी बची हुई केबल को अभी तक अंडर ग्राउंड नहीं किया गया है। जहां ट्रांसफार्मर लगे हैं उनके पैनल खुले में लगे हैं इसके लिए कोई सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया गया है जिससे कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है। ट्रांसफार्मर के पास लगे जाली के गेट बंद करवाए जाएं जिससे सुरक्षा बनी रहे। विद्युत पोल जो जर्जर अवस्था में हैं उनको प्राथमिकता से बदलने की बात अधिकारियों ने की थी लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बिजली से जुड़ी अन्य समस्याओं से भी आरडब्ल्यूए ने एसडीओ को अवगत कराया। एसडीओ दिनेश कुमार ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रवि राघव, गोरे लाल, विकास कुमार सहित कई आरडब्ल्यूए पदाधिकारी एवं विद्युत विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्राम कुम्हिया में आज आयोजित शिविर संबल कार्ड बनाए जा रहे है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मध्य प्रदेश। ग्राम पंचायत कुम्हिया में आज आयोजित शिविर में संबल कार्ड बनाए गए। संबल कार्ड मध्य प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। इस योजना के तहत, श्रमिकों को संबल कार्ड जारी किया जाता है, जो उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है।संबल कार्ड के लाभ मृत्यु सहायता सामान्य मृत्यु होने पर रु2 लाख की सहायता राशि दी जाती है। स्थायी दिव्यांगता सहायता दुर्घटना के कारण स्थायी दिव्यांगता होने पर रु2 लाख की आर्थिक सहायता दी जाती है अंत्येष्टि सहायता मृत्यु होने पर अंत्येष्टि के लिए रु5,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

प्रयागराज में बस में फंसकर 150 मीटर घिसटे बाइक सवार दो की मौत,पब्लिक ने गाड़ी में तोड़फोड़ की; जाम किया हाईवे

प्रयागराज। मांडा थाना क्षेत्र अंतर्गत आंधी चौराहे के पास बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे एक टूरिस्ट बस ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। हादसा इतना भीषण था की बाइक बस में फस गई और तकरीबन 150 मीटर तक बाइक को बस खींचती चली गई । वहीं आक्रोशित भीड़ ने टूरिस्ट बस को अपनी हिरासत में लेकर हंगामा और तोड़फोड़ शुरू कर दिया,नाराज लोगों ने हाइवे पर चक्का जाम कर दिया। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, राहगीर और मृतकों के परिजन जुट गए। आक्रोशित भीड़ ने बस को रोका, पत्थरबाजी की और तोड़फोड़ शुरू कर दी। बस में सवार तीर्थ यात्रियों के साथ भी मारपीट की नौबत आ गई। हालात तेजी से बिगड़ते गए लेकिन आधे घंटे बाद भी मौके पर पुलिस की संख्या बेहद कम थी सिर्फ 3-4 पुलिसकर्मी पहुंचे, जो भीड़ को नियंत्रित करने में नाकाम रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि घटना बेहद दर्दनाक थी, शव क्षत-विक्षत हो चुके थे। दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। घटना के बाद प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग पूरी तरह जाम हो गया। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यात्री परेशान रहे और स्थानीय लोग पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके की ओर रवाना हुए, लेकिन तब तक भीड़ का गुस्सा उफान पर था। हालात को काबू में करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल मंगाया गया। भीड़ को तितर-बितर करने के प्रयास जारी हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक,बस और उसका ड्राइवर हिरासत में ले लिए गए हैं।

सीएम योगी ने गाय और मोर को खिलाया गुड़,गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ के किए दर्शन-पूजन

गोरखपुर। गोरखपुर में सीएम योगी ने बुधवार को गोरखधाम मंदिर की गोशाला में गो-सेवा की। उन्होंने गोशाला का भ्रमण कर गोवंश का हाल जाना और उन्हें खूब दुलारकर अपने हाथों से गुड़ खिलाया। इसके बाद मोर को भी गुड़ खिलाया। इससे पहले सीएम ने सुबह गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका।

सहारनपुर में पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़, वाहन चोरी करने और खरीदने वाले दो आरोपी अरेस्ट

सहारनपुर। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को अरेस्ट किया है। एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से तमंचा, कारतूस और तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं। गिरफ्तार बदमाशों में एक शातिर वाहन चोर और दूसरा चोरी की बाइक का खरीदार है। मामला थाना कुतुबशेर का है। एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि मंगलवार की रात थाना कुतुबशेर पुलिस मानकमऊ-नकुड़ मार्ग पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान ग्राम ऊनाली के पास धुलाई सेंटर के नजदीक बने एक खंडहर से बाइक स्टार्ट होने की आवाज आई। जब पुलिस ने टॉर्च की रोशनी डाली तो वहां मौजूद एक युवक घबरा गया और उसने पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें गोली लगने से बदमाश मनोज पुत्र विजयपाल निवासी हल्लू माजरा, थाना भगवानपुर, हरिद्वार घायल हो गया और मौके पर दबोच लिया। पुलिस ने मनोज के कब्जे से दो चोरी की अपाचे बाइक (एक थाना कुतुबशेर क्षेत्र से चोरी और दूसरी हरिद्वार से चोरी) और एक तमंचा .315 बोर, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस व एक कारतूस मिस बरामद किया। पूछताछ में मनोज ने बताया कि बाइक बेचने के लिए उसका साथी लुकमान धुलाई सेंटर के पास खड़ा है। पुलिस ने वहां से लुकमान पुत्र ईरफान निवासी ग्राम चांदपुर, थाना गागलहेड़ी, सहारनपुर को भी गिरफ्तार कर लिया। लुकमान के कब्जे से थाना देवबंद क्षेत्र से चोरी हुई स्पलेंडर प्लस बाइक बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ सहारनपुर और हरिद्वार जिलों में चोरी, एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट समेत लगभग एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। घायल बदमाश मनोज का इलाज अस्पताल में कराया जा रहा है।

आगरा में 3 दरोगा सस्पेंड, ट्रैफिक ड्यूटी पर नहीं मिले

आगरा। आगरा में डीसीपी सिटी ने तीन दरोगाओं को सस्पेंड कर दिया है। जाम की समस्या का कारण जानने के लिए निरीक्षण को निकले डीसीपी सिटी को तीन दारोगा ड्यूटी पर नहीं मिले। जबकि एक दिन पहले ही पुलिस कमिश्नर ने चौराहों पर एसओ और एसएचओ की ड्यूटी के आदेश दिए थे। शनिवार, रविवार और सोमवार को तीन दिन पूरे शहर में जाम लगा रहा। यमुना किनारा मार्ग पर यमुना नदी का पानी आ गया है। इस वजह से वाहनों को आने जाने में परेशानी हो रही है। एमजी रोड को मेट्रो ने खोद डाला है। हाईवे पर ट्रोला की टक्कर हुई तो उसे हटवाने में 24 घंटे का समय लग गया। जिस वजह से हर सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। जाम की समस्या को खत्म करने के लिए पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने निर्देश दिए थे कि अब हर चौराहे पर जाम की समस्या को खत्म करने के लिए एसओ और एसएचओ भी ड्यूटी देंगे। उसकी हकीकत देखने डीसीपी सिटी सोनम कुमार मंगलवार को निरीक्षण के लिए निकले। भगवान टॉकीज चौराहे पर बुरे हालात थे। चौराहे पर न्यू आगरा थाने से दरोगा विवेक यादव, धर्मेंद्र वर्मा और गौरव तेवतिया की ड्यूटी थी। तीनों के बारे में पूछा गया। तीनों गायब थे। कहां गए किसी को नहीं पता था। तीनों को डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने उसी समय सस्पेंड कर दिया।

सहारनपुर में पुलिस टीम पर हमला, मारपीट की सूचना पर पहुची डायल 112 टीम पर पथराव

सहारनपुर। सहारनपुर के देहात कोतवाली क्षेत्र के सुंदलहेड़ी गांव में बीती रात एक गंभीर घटना सामने आई। मारपीट की सूचना पर पहुची डायल 112 पुलिस टीम पर पथराव कर दिया गया। इस हमले में पुलिस की पीआरवी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। पीआरवी 0962 में हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार, चालक नरेंद्र कुमार और प्रदीप कुमार मौजूद थे। कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। वहां सावन नामक व्यक्ति ने पुलिस से बहस शुरू कर दी। उसने पुलिसकर्मियों से हाथापाई की कोशिश की और पीआरवी वाहन पर पथराव कर दिया। पुलिसकर्मियों ने गाड़ी के पीछे छिपकर अपनी जान बचाई। कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। कोतवाली प्रभारी अन्य पुलिसकर्मियों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पथराव में पीआरवी का अगला शीशा टूट गया और वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। आरोपी सावन अंधेरे में भागने में सफल रहा। हालांकि, पुलिस ने देर रात दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। उस पर सरकारी कार्य में बाधा डालने, पथराव करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का केस दर्ज किया गया है। एसपी सिटी व्योम बिंदल ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हाथरस में किशोर के शव पर रेंग रहे थे कीड़े,बंद मकान में दुर्गंध से परेशान पड़ोसियों की शिकायत पर हुआ खुलासा

हाथरस। हाथरस के सादाबाद कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग का शव पंखे से लटका पाया गया। किशोर ने घर के दूसरी मंजिल पर बने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार देर रात घर से दुर्गंध आने के बाद मामले की जानकारी हो सकी। मृतक की पहचान 16 वर्षीय रूप सिंह के रूप पर हुई है। घटना की सूचना मिली तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय निवासियों की सूचना पर देर रात पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। कमरे का दरवाजा तोड़कर जांच की गई तो अंदर एक कमरे में शव लटका पाया गया। पड़ोसियों से पूछताछ कर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शव दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका हुआ था। शव में कीड़े पड़े हुए थे और तेज दुर्गंध आ रही थी। शव को नीचे उतरने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया है कि मृतक किशोर के माता-पिता के बीच विवाद चल रहा है। महिला दो बच्चो को अपने साथ ले गई है। पिता एक महीने से गायब है। पिछले कुछ दिनों से किशोर घर में अकेले ही रह रहा था। कोतवाल योगेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

एसपी ने कंधे पर सितारे लगाकर पदोन्नति की दी बधाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में पर राज कुमार सिंह के कंधों पर पद प्रतीक/सितारे लगाकर

नियुक्त निरीक्षक राज कुमार सिंह को वरिष्ठता के आधार पर निरीक्षक से पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नति प्राप्त होने पर बुधवार को पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस उपाधीक्षक के पद पर प्रमोशन पाने उत्साहवर्धन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी गई तथा उनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना की गई। इस मौके पर प्रतिसार निरीक्षक मो0 नदीम व वाचक पुलिस अधीक्षक निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत मौजूद रहे।

तीन शिक्षिकाओं का निलंबन,कार्यालय में नारेबाजी और सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने का आरोप

सोनभद्र। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने अनुशासनहीनता के मामले में तीन ने अन्य शिक्षिकाओं के साथ नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान पूर्व नियोजित तरीके से

शिक्षिकाओं को निलंबित कर दिया है। निलंबित शिक्षिकाओं में प्राथमिक विद्यालय विसरेखी की प्रधानाध्यापिका कौशर जहां सिद्धिकी, प्राथमिक विद्यालय चेरो बस्ती की सहायक अध्यापक वर्षा वर्मा और सोनाली मजूमदार शामिल हैं। मामला 22 अगस्त का है जब प्राथमिक विद्यालय चुर्क गांव की सहायक अध्यापिका कुंजलता त्रिपाठी ने जिला समन्वयक अरविंद कुमार पाठक पर अमर्यादित व्यवहार का आरोप लगाया। जिला समन्वयक ने स्पष्ट किया कि वे उस समय एसएसए कार्यालय में सप्ताहिक समीक्षा बैठक में व्यस्त थे। अगले दिन 23 अगस्त को कौशर जहां सिद्धिकी के नेतृत्व में लगभग 15 शिक्षिकाएं कार्यालय पहुंचीं। वार्ता के दौरान कौशर जहां सिद्धिकी, वर्षा वर्मा और सोनाली मजूमदार वीडियोग्राफी कराकर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की गई। बीएसए मुकुल आनंद पांडेय ने बताया कि इस कृत्य से कार्यालय के कामकाज में व्यवधान उत्पन्न हुआ और विभाग की छवि को नुकसान पहुंचा। तीनों शिक्षिकाओं को पास के विद्यालयों में संबद्ध किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। बीईओ चोपन को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिन्हें 15 दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। वहीं तीनों शिक्षिकाओं के निलंबन आदेश के बाद महिला शिक्षक संघ में घोर रोष देखा जा रहा है। महिला शिक्षकों ने बीएसए के इस आदेश पर आपत्ति जतायी है और न्याय के लिए अपनी लड़ाई जारी रखने की बात कही है।

विद्यालय में फैले वायरल से 15 छात्राएं बीमार,बीडीओ ने दिए स्वच्छता के निर्देश

सोनभद्र। विकास खंड कोन के ग्राम पंचायत बरवाखाड़ के टोला रगरम स्थित कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में वायरल बुखार का को विशेष निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिसर की साफ-सफाई और मेन्यू के अनुसार ताजा भोजन देने को कहा है। एएनएम को छात्राओं की

प्रकोप सामने आया है। लगभग 15 छात्राएं बीमार हो गई हैं। कुछ छात्राओं को बुखार के साथ उल्टी की भी शिकायत है। सूचना मिलते ही खंड विकास अधिकारी डॉ. जीतेंद्र नाथ दुबे मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम को तुरंत बुलाया। डॉ. जयप्रकाश सिंह और एएनएम गीता देवी ने छात्राओं की जांच कर दवाएं वितरित कीं। डॉक्टर ने सभी को ओआरएस भी दिया। उनके अनुसार सभी छात्राओं की स्थिति नियंत्रण में है।बीडीओ ने वार्डन निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खंड शिक्षा अधिकारी विश्वजीत कुमार ने भी मौका-मुआयना किया। ग्रामीणों के अनुसार, विद्यालय में चल रहे उच्चीकरण के निर्माण कार्य से मच्छरों का प्रकोप बढ़ा है। बिजली की अनियमित आपूर्ति से उमस भरी गर्मी में छात्राएं परेशान हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम जल्द ही सभी छात्राओं का रक्त परीक्षण भी कराएगी। बीमार छात्राओं को अलग कमरे में स्वास्थ्य टीम की निगरानी में रखा गया है।

जनसेवा और विकास के प्रति समर्पित रहीं:बीना सिंह

पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि, बड़ी संख्या में लोग हुए शामिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को रॉबर्ट्सगंज

स्थित समाजसेवी इंद्रदेव सिंह के आवास पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख बीना सिंह की सातवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के संभ्रांतजन, जनप्रतिनिधि और शुभेच्छु बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि बीना सिंह ने राजनीति को हमेशा जनसेवा का माध्यम बनाया। वह सामाजिक न्याय और विकास की पक्षधर थीं। अपनी निष्पक्षता और कुशलता से उन्होंने नारी शक्ति के लिए प्रेरणास्रोत का कार्य किया। क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत से लेकर विधानसभा चुनाव तक अपनी सशक्त पकड़ और सक्रियता के बल पर उन्होंने अलग पहचान कायम की। गरीबों और कमजोर वर्गों के लिए आजीवन प्रयत्नशील रहकर उन्होंने समाज में गहरी छाप छोड़ी। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी केदारनाथ सिंह, विशिष्ट अतिथि कथाकार रामनाथ शिवेंद्र सहित ओमप्रकाश त्रिपाठी, रामलखन सिंह, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश मिश्रा, अशोक मिश्रा, अजीत चौबे, ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत, पूर्व बार अध्यक्ष पूनम सिंह, बब्बू तिवारी, नरेन्द्र बहादुर सिंह, शैलेन्द्र चौबे, सुधाकर पांडेय, सुशील पाठक, देवेश मिश्र, अवधेश पांडेय, बिंदु पांडेय, हीरामणि पाठक, शशिकांत मिश्र, अमरनाथ सिंह, बलदेव सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि जिले में जब भी महिलाओं की राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी की चर्चा होगी, बीना सिंह का नाम सम्मानपूर्वक लिया जाएगा। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए उन्होंने मर्यादित राजनीति की अनोखी मिसाल पेश की।कार्यक्रम का संचालन राकेश त्रिपाठी ने किया।

खड़िया पंचायत भवन में लगी आग,शक्तिनगर में लाखों का सामान और जरूरी दस्तावेज जलकर ख़ाक

सोनभद्र। शक्तिनगर में स्थित खड़िया ग्राम पंचायत भवन में शॉर्ट कुर्सियां, इनवर्टर, वॉल फैन, बैटरी, कंप्यूटर मॉनिटर और महत्वपूर्ण प्रधान विजय कुमार गुप्ता उर्फ लालबाबू गुप्ता, पंचायत सहायक

सर्किट से भीषण आग लग गई। दोपहर के समय हुई इस घटना में पंचायत भवन में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग में दस्तावेज समेत कई इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल गए। क्षतिग्रस्त सामान की कीमत लाखों रुपये में बताई जा रही है। ग्राम निखिल गुप्ता, जगदेव पटेल और ग्रामीणों की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

ओबरा में ट्रक-ऑटो की भिड़ंत 6 यात्री घायल,एक की हालत गंभीर

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र में वाराणसी-शक्तिनगर राज्यमार्ग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक होने के कारण वह चोपन अस्पताल में ही रुका है। घायल

पर एक दुर्घटना सामने आई। अग्रवाल मार्केट के पास सुबह 9 बजे एक ट्रक ने सवारियों से भरी ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर से ऑटो पलट गई। हादसे में दर्जन भर सवारी घायल हुए।स्थानीय लोगों ने एक घायल को उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया। अन्य घायलों ने निजी अस्पतालों में इलाज कराया। डॉक्टर आकाश कुमार ने बताया कि घायल व्यक्ति के दाएं हाथ में फ्रैक्चर है।उसके साथ कोई परिजन न युवक राज ने बताया कि वे खरारी गांव के रहने वाले हैं। ऑटो में कुल 7 लोग सवार थे। सभी को चोट आई है। ऑटो भी क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिस घटना की बाबत मामले की जांच कर रही है।

शक्तिनगर-अनपरा रेलवे ट्रैक पर कोयला चोरी करतें बच्चों को देखा गया,पहले भी कई लोग जान गंवा चुके

सोनभद्र। शक्तिनगर से अनपरा के बीच एनसीएल की बोगी पर चढ़कर कोयला चुराते हैं। रेलवे लाइन के पास

खदानों से बिजलीघर जा रहे कोयले की चोरी का मामला सामने आया है। स्थानीय बच्चे और युवा खड़ी मालगाड़ी बसी बस्ती के लोग चुराए गए कोयले को बेचने के साथ-साथ घरेलू उपयोग में भी लगाते हैं। आरपीएफ और रेलवे विभाग ने कई बार कार्रवाई की है। चोरों को न केवल कोयला, बल्कि स्क्रैप और बोगी के कीमती पुर्जे चुराते हुए भी पकड़ा गया है। सिग्नल के कारण शक्तिनगर से अनपरा के बीच अक्सर मालगाड़ियां रुकती हैं। इस दौरान बच्चे और युवा बोगी पर चढ़कर कोयला फेंकते हैं। अब तक इस खतरनाक काम में दर्जनों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। रेलवे विभाग और प्रबंधन की चेतावनियों का स्थानीय लोगों पर कोई असर नहीं हुआ है।

सोनभद्र में ग्राम का सर्वांगीड़ विकास के लिए समर्पित कर्मयोगी

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक की और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं किए। युवाओं को प्रशिक्षित कर

जीवन शाला फरीपान में बुधवार को कर्मयोगी प्रेम भाई का 91वां जन्मदिन मनाया गया। कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों और शिक्षकों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रेम भाई जमुना लाल बजाज पुरस्कार से सम्मानित हैं। उन्होंने दक्षिणांचल क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य पहुंचाने में योगदान दिया। उन्होंने ग्रामीण विकास को बढ़ावा दिया। देशभर में कार्यकर्ताओं का निर्माण कर सामाजिक चेतना को मजबूत किया। भूमि हकदारी और शराबबंदी आंदोलन में उनकी भूमिका प्रेरणादायक रही है। किसानों की आर्थिक प्रगति के लिए निरंतर प्रयास रोजगार से जोड़ने का कार्य भी किया। शिक्षकों और कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रेम भाई का जीवन संघर्ष और समर्पण का प्रतीक है। कार्यक्रम में रमेश यादव, डॉ सुभाष प्रसाद शाही, मीना देवी, बेचन राम, रामलोचन, अनिता देवी समेत अन्य लोग और बच्चे शामिल हुए।

शक्तिनगर में ट्रेलर की टक्कर से युवक की मौत, डॉक्टर ने मृत घोषित किया

सोनभद्र। सोनभद्र के शक्तिनगर स्थित एनसीएल ली। थाना प्रभारी कुमुद शेखर सिंह ने बताया कि मृतक वंश गोपाल था। दुर्घटना के समय एक ट्रेलर ने उसे टक्कर मार दी थी। पुलिस ने

दुधीचुआं खदान क्षेत्र में एक दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मंगलवार की देर शाम को स्थानीय पुलिस ने मृतक की पहचान कर अगरिया (22) है। वह मध्य प्रदेश के सीधी जिले के मझौली थाना क्षेत्र के छवारी गांव का रहने वाला था। वंश गोपाल अंबेडकर नगर में रहता इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है।

मुड़िलाडीह इंटर कॉलेज में आत्महत्या को लेकर जागरूकता फैलाई गयी,विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी दी गई,टेलीमानस हेल्पलाइन से जोड़ा

सोनभद्र। घोरावल ब्लॉक स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय मॉडल इंटर कॉलेज मुड़िलाडीह स्वास्थ्य काउंसलर ने छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी दी। छात्रों को सहायता के लिए को पुरस्कृत किया।कार्यक्रम में कम्युनिटी स्वास्थ्य अधिकारी, किशोर स्वास्थ्य काउंसलर सीमा

में आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया गया। स्वास्थ्य विभाग और सेंटर फॉर नॉलेज एंड डेवलपमेंट की टीम ने बच्चों को जागरूक किया। कम्युनिटी स्वास्थ्य अधिकारी और किशोर टेलीमानस हेल्पलाइन नंबर 14416 से जोड़ा गया। कार्यक्रम में पोस्टर, चार्ट, निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रधानाचार्य ने प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों सिंह, सीकेडी की ब्लॉक समन्वयक सुनीता मौर्या और विद्यालय के प्रधानाचार्य रवि शंकर मौजूद रहे। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक और सैकड़ों छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे।

रोजगार मेले से आदित्य बिड़ला ग्रुप की गुजरात यूनिट में 160 युवाओं का चयन,सोनभद्र के दुद्धी ब्लॉक में प्लेसमेंट कैंप

सोनभद्र। दुद्धी ब्लॉक स्थित और प्रवीण कुमार ने परीक्षा और युवाओं को मौका दिया गया।

मॉडर्न आईटीआई हिराचक महुली में मंगलवार को रोजगार मेला आयोजित किया गया। आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज की ओर से आयोजित इस मेले में 500 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। कंपनी के प्रतिनिधि आशीष कुमार, दीपक कुमार प्रधान साक्षात्कार के माध्यम से 160 युवाओं का चयन किया। चयनित उम्मीदवारों को पंचमहल, गुजरात स्थित कंपनी में नौकरी दी जाएगी। मॉडर्न आईटीआई के चेयरमैन मकसूद आलम ने बताया कि इस भर्ती में 10वीं, 12वीं और आईटीआई पास मेले में सोनभद्र के सभी ब्लॉक के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी युवाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में संस्थान के डायरेक्टर मंसूर आलम, प्रधानाचार्य हृदय नारायण, वरिष्ठ लिपिक मनोज कुमार सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

उमरजई सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले अफगानी बैटर,एशिया कप की पहली बॉल पर अटल का चौका,हॉन्ग कॉन्ग ने 5 कैच छोड़े

अबु धाबी। एशिया कप 2025 के पहले मैच में अफगानिस्तान ने हॉन्ग कॉन्ग चाइना को 94 रन से हरा दिया। अबु धाबी क्रिकेट

स्टेडियम में अफगानी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट

खोकर 188 रन बनाए। जवाब में हॉन्ग कॉन्ग 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 94 रन ही बना सकी। मंगलवार को अजमतुल्लाह उमरजई सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले अफगानी बैटर बने। एशिया कप की पहली बॉल पर सेदिकुल्लाह अटल ने चौका लगा दिया। उन्हें 3 जीवनदान भी मिले। हॉन्ग कॉन्ग चाइना ने कुल 5 कैच ड्रॉप किए। 1. एशिया कप की पहली बॉल पर अटल का चौका-अफगानिस्तान के ओपनर सेदिकुल्लाह अटल ने एशिया कप 2025 की पहली ही बॉल पर चौका लगा दिया। हॉन्ग कॉन्ग चाइना के बॉलर आयुष शुक्ला ने शॉर्ट ऑफ लेंथ बॉल फेंकी। इसे अटल ने फाइन लेग की तरफ खेलकर चौका लगा दिया। 2.सेदिकुल्लाह अटल के 3 कैच छूटे अफगानी ओपनर सेदिकुल्लाह अटल को पारी में 3 जीवनदान मिले। हॉन्ग कॉन्ग के फील्डर्स ने अटल को 4, 45 और 51 रन पर जीवनदान दिया। मुर्तजा ने अटल का कैच छोड़ा पहले ही ओवर की चौथी बॉल पर फर्स्ट स्लिप में अटल को जीवनदान मिला। यहां यासीम मुर्तजा ने कैच ड्रॉप कर दिया। अटल ने कैच छूटने के बाद लगातार 2 बॉल पर दो चौका लगा दिया। अटल को दूसरा जीवनदान, मुर्तजा ने कैच छोड़ा 14वें ओवर में सेदिकुल्लाह अटल को दूसरा जीवनदान मिला। ओवर की पांचवीं बॉल पर यासीम मुर्तजा ने अपनी ही बॉलिंग पर कैच छोड़ दिया। अटल ने यहां सामने की तरफ शॉट खेला। बॉल मुर्तजा के पास गई और उन्होंने कैच छोड़ दिया। अटल इस समय 45 रन पर बैटिंग कर रहे थे। सेदिकुल्लाह का तीसरा कैच छूटा 16वें ओवर में सेदिकुल्लाह अटल को तीसरा जीवनदान मिला। यासिम मुर्तजा के ओवर की आखिरी बॉल पर अटल ने शॉर्ट थर्ड मैन की तरफ रिवर्स स्वीप शॉट खेला। यहां एहसान खान ने आसान-सा मौका गंवा दिया। 3. अजमतुल्लाह ओमरजई का कैच छूटा, अगली बॉल पर सिक्स लगाया 18वें ओवर की तीसरी बॉल पर अजमतुल्लाह ओमरजई का कैच छूट गया। ओमरजई ने लॉन्ग ऑफ की तरफ बड़ा शॉट खेला। यहां रथ ने आसान सा कैच छोड़ दिया। एहसान खान ने फुल गेंद मिडिल स्टंप पर फेंकी थी। उन्होंने इसकी अगली ही बॉल पर लॉन्ग ऑफ पर सिक्स लगा दिया। 4. अफगानी प्लेयर्स ने लगातार 2 बॉल पर दो कैच छोड़े- अफगानी फील्डर्स ने पावरप्ले में लगातार दो बॉल पर 2 पर कैच ड्रॉप कर दिया। चौथे ओवर की आखिरी बॉल पर अटल और जादरान के बीच कन्फ्यूजन में कैच छूट गया। यह ओवर गजनफर डाल रहे थे। 5वें ओवर की पहली बॉल पर अजमतुल्लाह उमरजई की पहली बॉल पर करीम जन्नत से कैच ड्रॉप हुआ।अजमत के ओवर की तीसरी बॉल पर कल्हान छल्लू रनआउट हुए। वे 4 रन ही बना सके। अब रिकाड्स... ‘1. उमरजई सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले अफगानी अजमतुल्लाह उमरजई टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले अफगानी बैटर बने। उन्होंने 20 बॉल पर हाफ सेंचुरी

पूरी की। उमरजई ने मोहम्मद नबी के 21 बॉल का रिकॉर्ड तोड़ा। 2. अतीक टी-20 एशिया कप पावरप्ले में विकेट मेडन फेकने वाले चौथे बॉलर हॉन्ग कॉन्ग के अतीक इकबाल टी-20 एशिया कप पावरप्ले में विकेट मेडन फेकने वाले चौथे बॉलर बने। उन्होंने अफगानिस्तान की पारी के तीसरे ओवर में बिना कोई रन दिए इब्राहिम जादरान को आउट किया। उनसे पहले पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर, शहवाज दाहिनी, और भारत के भुवनेश्वर ऐसा कर चुके हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच की टिकट अब तक नहीं बिकी,पैकेज सिस्टम सबसे बड़ी वजह बनी,14 सितंबर को मुकाबला

दुबई। एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान मैच की टिकट अब तक नहीं बिकी है। टूर्नामेंट में यह मैच 14 सितंबर को खेला जाना है। आमतौर पर इस हाई-वोल्टेज मैच के टिकट कुछ ही घंटों में खत्म हो जाते हैं, लेकिन इस बार 2.5 लाख रुपए से ऊपर तक की कीमत और पैकेज सेल्स के कारण टिकट की मांग धीमी पड़ गई है। टिकट न बिकने की 3 बड़ी वजह- 1. पैकेज सिस्टम- आयोजकों ने इस बार टिकटिंग सिस्टम में बदलाव करते हुए पैकेज सिस्टम लाया। पहले जहां फैंस सीधे भारत-पाकिस्तान मैच की टिकट खरीद सकते थे, इस बार उन्हें पूरा ग्रुप-स्टेज पैकेज लेना पड़ रहा है। इसका मतलब है कि भारत-पाकिस्तान मैच देखने के लिए फैंस को कुल 7 मुकाबलों की टिकटें एक साथ खरीदनी होंगी। ऐसे में जो फैंस सिर्फ भारत-पाकिस्तान का मैच देखना चाहते हैं, उन्हें इसके लिए बाकी ग्रुप मैचों के पैसे भी चुकाने होंगे।

हालांकि इसमें सुपर-4 और फाइनल मुकाबले शामिल नहीं हैं। 2. टिकटों की कीमत बढ़ी टिकटिंग पोर्टल्स पर मौजूद पैकेज करीब 2.57 लाख रुपए दो सीटों के लिए रखा गया है, जिसमें सीटिंग, अनलिमिटेड खाना-पीना, पार्किंग पास, वीआईपी क्लब/लाउंज, प्राइवेट एंट्रेंस और रेस्ट रूम जैसी सुविधाएं शामिल हैं। ऐसे ही रॉयल बॉक्स 2.30 लाख, स्काई बॉक्स ईस्ट 1.67 लाख, प्लैटिनम 75 हजार, ग्रैंड लाउंज 41 हजार, पैविलियन वेस्ट 28 हजार और सबसे सस्ता जनरल ईस्ट भी करीब 10 हजार रुपये दो सीटों के लिए है। इसी वजह से फैंस को टिकट लेना महंगा पड़ रहा है।

3. फ्लाइटस और होटल महंगे हुए- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्लाइट के टिकट की कीमत भी बढ़ गई है। 13 और 14 सितंबर के आसपास की फ्लाइट्स की मांग इतनी बढ़ चुकी है कि किराए दोगुने हो गए हैं। मुंबई से दुबई फ्लाइट का किराया रु11,000 से शुरू हो रहा है। दिल्ली से दुबई टिकट लगभग रु15,000 तक पहुंच चुका है। फ्लाइट की वापसी की टिकट की कीमत मैच नजदीक आते-आते रु25,000 से रु40,000 तक पहुंच सकती है। भारत-पाकिस्तान मैच से पहले होटल्स की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। बजट होटल रु5,000 प्रति रात के हिसाब से मिल रहे हैं। 3 से 4 स्टार होटल रु9,000 से रु12,000 के बीच हैं। 5 स्टार लग्जरी होटल रु18,000 से ऊपर तक जा रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत-पाकिस्तान के कप्तान अलग-अलग बैठे- मंगलवार को दुबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई, जहां आयोजकों ने खास तौर पर भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा को अलग-अलग बैठाया। बीच में अफगानिस्तान के राशिद खान को बैठाया गया था।

कल भारत का पहला मैच - भारत 10 सितंबर को मेजबान यूएई के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा और फिर 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगा। सूर्यकुमार यादव ने कहा, आक्रामक खेल जीत के लिए जरूरी है, जबकि सलमान आगा ने शांत अंदाज में कहा कि वे खिलाड़ियों को अपनी तरह से खेलने की आजादी देते हैं। सबसे ज्यादा एशिया कप जीतने का रिकॉर्ड भारतीय टीम के नाम है।

भारत ने अब तक हुए 16 में से 15 एशिया कप में हिस्सा लिया है और 8 बार खिताब जीता है। भारत 7 बार वनडे फॉर्मेट में और 1 बार टी-20 फॉर्मेट में यह टूर्नामेंट जीत चुका है। श्रीलंका 6 खिताब (5 वनडे प्लस 1 टी-20) के साथ दूसरे स्थान पर है। पाकिस्तान दो बार (दोनों वनडे) चैंपियन बना है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप-निखत जरीन 5-0 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में,मीनाक्षी, जदुमणि और अभिनाश भी टॉप-8 में पहुंचे

नयी दिल्ली। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निखत

जरीन ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की युमा निशिनाका को 5:0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं।निखत के अलावा मीनाक्षी, जदुमणि और अभिनाश जामवाल भी क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। निखत का इस साल का पहला इवेंट 29 साल निखत के लिए यह इस साल का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। पहले राउंड में जापानी खिलाड़ी ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन निखत ने अपनी लय बनाए रखी और जीत हासिल की। मैच के दौरान युमा ने निखत के रिदम को तोड़ने के लिए अत्यधिक क्लिंचिंग (गले लगाकर रुकने) की कोशिश की, जिसके कारण उन्हें दो पेनल्टी पॉइंट्स का नुकसान हुआ। निखत ने जापानी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया और सर्वसम्मति से जीत हासिल की। 48किग्रा में मीनाक्षी ने चीनी खिलाड़ी को हराया निखत के अलावा अन्य भारतीय बॉक्सरों ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने चीन की वांग क्यूपिंग को 5-0 से हराया। जबकि जदुमणि (57 किग्रा) ने इंग्लैंड की रीडशॉ रीस को 5-0 से पराजित किया। वहीं, अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) ने डोमिनिकन गणराज्य के पीटर यनोआ फर्नांडो डी जीसस को 5-0 से मात देकर अगले दौर में जगह पक्की की।

मानसून में रनिंग-वॉकिंग बंद हो गईःघर पर ही करें वर्कआउट, फिटनेस एक्सपर्ट से जानें 10 रेन फ्रेंडली एक्सरसाइज

कानपूर। बारिश का मौसम गर्मी से राहत देता है। लेकिन यह उन लोगों के लिए चुनौती बन जाता

है, जो रोजाना जिम जाते हैं या पार्क में टहलना और एक्सरसाइज करना पसंद करते हैं। लगातार होती बारिश, उमस और फिसलन न सिर्फ जिम जाने में आलस बढ़ाती है, बल्कि आउटडोर वर्कआउट की रेगुलैरिटी भी बिगाड़ देती है। ऐसे में बरसात के दिनों में फिजिकली एक्टिव रहना वाकई मुश्किल हो जाता है। हालांकि इस मौसम में घर से बाहर कदम रखे बिना भी आप फिट और एक्टिव रह सकते हैं। इसके लिए बस सही प्लानिंग और थोड़े मोटिवेशन की जरूरत होती है। विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से और इसपर प्रकाश डालेंगे एक्सपर्टः हरिओम ओझा, जिम ट्रेनर और वेटलिफ्टिंग कोच, कानपुर जी। सवाल- बारिश के कारण वॉक या रन नहीं कर पा रहे तो घर पर कौन सी एक्सरसाइज बेस्ट होगी? जवाब- बारिश के मौसम में अगर आप वॉक या रन नहीं कर पा रहे हैं तो चिंता न करें। घर पर ही कुछ बेहतरीन एक्सरसाइज की मदद से आप कार्डियो, स्ट्रेंथ और स्टैमिना पर काम कर सकते हैं। इनमें स्पॉट जॉगिंग, स्किपिंग (रस्सी कूदना), बर्पीज, डांस वर्कआउट और सूर्य नमस्कार जैसी एक्सरसाइज शामिल हैं। इनमें से किसी भी एक्सरसाइज को रोजाना 15-30 मिनट तक करने से वॉक या रन की कमी पूरी की जा सकती है।पुश-अप्स में पेट के बल लेटकर हाथ कंधों के नीचे रखें और पैर सीधे रखें। शरीर को सिर से एड़ी तक सीधा रखें और कोहनियां मोड़कर सीना नीचे लाएं। जमीन से 1-2 इंच पहले रुकें, फिर सांस छोड़ते हुए ऊपर उठें। शुरुआत में 8-10 पुश-अप्स करें, फिर धीरे-धीरे बढ़ाएं। स्पॉट जॉगिंग एक जगह खड़े होकर दौड़ने जैसा वर्कआउट है। घुटनों को ऊंचा उठाएं और हाथों को साथ में हिलाएं। पैरों को हल्के से जमीन पर रखें, जोर से न पटकें। शुरुआत 2-5 मिनट से करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। स्किपिंग के लिए रस्सी को दोनों हाथों में लेकर पीछे से घुमाना शुरू करें। जैसे ही रस्सी फर्श को छुए, हल्के से लगभग 1 इंच ऊपर कूदें। जंप करते वक्त एड़ियों पर दबाव न डालें, पंजों का इस्तेमाल करें। शुरुआत 20-50 बार से करें और अभ्यास के साथ संख्या बढ़ाएं। स्टेयर स्टेपर्स के लिए सीढ़ी या स्टेप बॉक्स का इस्तेमाल करें। एक पैर से चढ़ें, फिर दूसरा पैर ऊपर लाएं और उसी क्रम में नीचे उतरें। पीठ सीधी रखें और गति लयबद्ध होनी चाहिए। शुरुआत में 2-3 मिनट के सेट करें, फिर समय बढ़ाएं। लंजेस के लिए सीधे खड़े होकर हाथ कमर पर रखें। एक पैर आगे बढ़ाएं और घुटने को 90 डिग्री पर मोड़ें, पीछे वाला पैर सीधा रहे।थोड़ी देर इसी पोज में रुकें, फिर वापस शुरुआती स्थिति में आएं। दोनों पैरों से 10-12 बार दोहराएं और संतुलन बनाए रखें। प्लैंक के लिए पेट के बल लेटें और कोहनियों को कंधों के नीचे रखें। शरीर को पैरों की उंगलियों और कोहनियों पर उठाएं। सिर से एड़ी तक शरीर एक सीध में रखें और कोर मसल्स टाइट करें। शुरुआत 20-30 सेकंड से करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। अपना मनपसंद म्यूजिक चलाएं। खुद को म्यूजिक के हिसाब से फ्री मूव करें। किसी स्टेप की चिंता न करें, बस मस्ती करें। हाथ, कमर, पैरों समेत शरीर के हर हिस्से को इसमें शामिल करें। रोजाना 10-15 मिनट ऐसा फ्री डांस करें। मूड और मूव दोनों बेहतर होंगे। स्क्वैट्स के लिए सीधे खड़े होकर पैरों को कंधे से थोड़ा बाहर रखें। हाथ सामने फैलाएं या कमर पर रखें और घुटनों को मोड़ते हुए नीचे बैठें। जांघें जमीन के समानांतर, पीठ सीधी और घुटने पैर की उंगलियों से आगे न जाएं।धीरे-से ऊपर आएं और इसे रोजाना 10-15 बार दोहराएं। बर्पीज के लिए स्क्वैट्स पोज में झुकें और हाथ जमीन पर रखें। पैर पीछे ले जाकर पुशअप पोज बनाएं और एक पुशअप करें। फिर स्क्वैट्स पोज में लौटकर ऊपर जंप करें, हाथ ऊपर उठाएं। इसे लगातार 8-10 बार दोहराएं, एनर्जी और स्टैमिना दोनों बढ़ेंगे। सूर्य नमस्कार- 12 आसनों को क्रम

से करें। हर मूवमेंट के साथ धीरे-धीरे सांस लें और छोड़ें। अनुलोम-विलोम और भ्रामरी जैसे प्राणायाम करें। लंबी सांस लें और धीरे छोड़ें। इसे रोजाना 15-20 मिनट तक करें।सवाल- घर पर वर्कआउट करने के लिए किन चीजों की जरूरत होती है? जवाब- घर पर वर्कआउट शुरू करने के लिए बहुत ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं होती है। लेकिन कुछ बेसिक चीजें एक्सरसाइज को ज्यादा प्रभावी और सुरक्षित बना सकती हैं। जैसेकि- योगा/एक्सरसाइज मैट। स्पोर्ट्स शूज और आरामदायक कपड़े। पानी की बोतल और टॉवल। रस्सी (स्किपिंग रोप)। डम्बल्स या कोई अन्य भारी चीज। सवाल- घर पर वर्कआउट के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- इसके लिए कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। सवाल- घर पर वर्कआउट करने का सबसे अच्छा समय क्या है? जवाब- ये पूरी तरह आपकी दिनचर्या और एनर्जी लेवल पर निर्भर करता है। लेकिन वर्कआउट के लिए सुबह का समय (6-9 बजे) सबसे बेहतर माना जाता है। इस समय शरीर और मन दोनों तरोताजा रहते हैं। अगर सुबह संभव न हो तो शाम का समय (5-7 बजे) भी अच्छा विकल्प है, खासकर जब शरीर पहले से एक्टिव रहता है और मांसपेशियां वार्म होती हैं। जो भी समय चुनें, उसे नियमित रखें। शरीर रूटीन के अनुसार जल्दी एडजस्ट हो जाता है और बेहतर रिजल्ट देता है। सवाल- मानसून में कौन-सी एक्सरसाइज सेफ नहीं मानी जाती है? जवाब- बारिश के मौसम में आउटडोर रनिंग या वॉकिंग से गीली जमीन पर फिसलने का खतरा रहता है। इसके अलावा बारिश से फर्श गीला हो जाता है। ऐसे में खुली जगह पर स्किपिंग या हाई जंपिंग से गिरने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए मानसून में ऐसी एक्सरसाइज चुनें, जो घर के अंदर सूखे और सुरक्षित स्थान पर की जा सकें। सवाल- मानसून में घर में बच्चों को कौन-सी फिटनेस एक्टिविटीज कराना बेहतर है? जवाब- बारिश में बच्चे बाहर जाकर खेल नहीं पाते हैं, लेकिन उन्हें घर में एक्टिव और फिट रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में डांस वर्कआउट, स्किपिंग और योगासन जैसे मजेदार और सुरक्षित फिटनेस एक्टिविटीज उन्हें शारीरिक रूप से एक्टिव रखने में मदद कर सकती हैं।

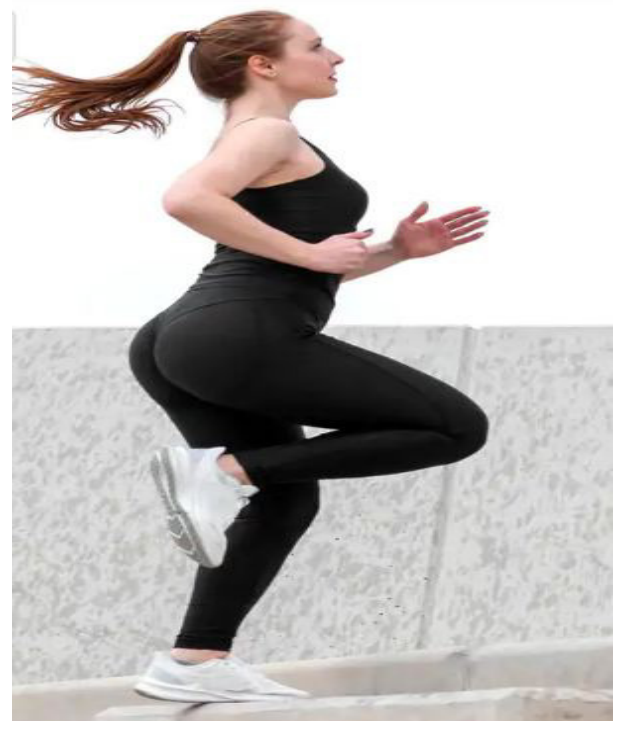

फुट मसाज से घटता स्ट्रेस,खुद से फुट मसाज करने के 9 टिप्स, न करें ये 7 गलतियां, डॉक्टर से जानें इसके 6 फायदे

नयी दिल्ली। दिनभर की भागदौड़, ऑफिस का दबाव, घर

की जिम्मेदारियां और लगातार मोबाइल या कंप्यूटर की स्क्रीन पर नजरें टिकाए रखना। इन सब चीजों का असर हमारे शरीर और दिमाग पर पड़ता है। इससे थकान बढ़ती है और मानसिक तनाव भी बना रहता है। अक्सर हम इतनी थकान के बावजूद काम को जारी रखते हैं। फुट मसाज यानी पैरों की मालिश एक आसान और असरदार तरीका है। यह न केवल

बिना दवा के किया जा सकता है, बल्कि खर्च भी बहुत कम है। पैरों में शरीर के कई महत्वपूर्ण प्रेशर पॉइंट्स होते हैं, जिन्हें हल्के दबाव से मालिश करने पर तनाव कम होता है, नींद सुधरती है और दिमाग को शांति मिलती है। मामले को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या वाकई सिर्फ पैरों की मसाज से पूरा शरीर रिलैक्स हो सकता है? जवाब- साल 2022 में, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश्ड एक स्टडी के मुताबिक, रिफ्लेक्सोलॉजी (जिसमें पैरों, हाथों या कानों के कुछ खास बिंदुओं पर दबाव डाला जाता है) से तनाव कम होता है और शरीर को आराम मिलता है। पैरों की सतह पर मौजूद एक्यूप्रेशर पॉइंट्स सीधे दिमाग, दिल, किडनी, फेफड़े और रीढ़ की नसों से जुड़े होते हैं। जब हम इन पॉइंट्स पर हल्का दबाव डालते हैं तो शरीर का नर्वस सिस्टम सक्रिय होता है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और मांसपेशियों की जकड़न कम होती है। इससे पूरे शरीर में रिलैक्सिंग हार्मोन (जैसे एंडोर्फिन और सेरोटोनिन) रिलीज होते हैं, जो तनाव घटाने में मदद करते हैं।सवाल- क्या फुट मसाज से नींद बेहतर हो सकती है? जवाब- अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन के अनुसार, पैरों की मालिश तनाव कम करने में मदद करती है और बेहतर नींद में सहायक हो सकती है। रोज रात सोने से पहले 10-15 मिनट तक पैरों की हल्की मसाज करने से पैर गर्म होते हैं और नसों की एंडिंग्स शांत हो जाती हैं। यह प्रक्रिया शरीर को ‘रिस्ट मोड’ में डाल देती है, जिससे जल्दी नींद आती है और नींद की क्वालिटी भी बेहतर होती है। खासकर जिन लोगों को बार-बार नींद से जागने या अनिद्रा की शिकायत होती है उनके लिए यह फायदेमंद साबित हो सकता है। सवाल- किन-किन तरीकों से पैरों की मसाज की जा सकती है? जवाब- हम बिना किसी

ट्रेनिंग के पैरों की मालिश के लिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं, जिन्हें घर पर आजमाया जा सकता है। सवाल- क्या ऊपर बताए गए मसाज के तरीके किसी भी उम्र के लोग कर सकते हैं? जवाब- हां, ये तरीके 10 साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग तक, सभी के लिए फायदेमंद हैं। कुछ विशेष परिस्थितियों जैसे चोट लगी होने या बीमार होने पर मसाज करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। हालांकि सामान्य थकान, तनाव या नींद की परेशानी में ये उपाय सुरक्षित हैं। सवाल- क्या किसी विशेष समय पर मसाज करने से ज्यादा फायदा होता है? जवाब- रात को सोने से ठीक पहले किया गया फुट मसाज सबसे प्रभावी होता है। उस समय शरीर पहले से ही रिलैक्स मोड में होता है और मसाज दिमाग को नींद के लिए तैयार करता है। इसके अलावा, सुबह उठने के तुरंत बाद हल्का मसाज भी शरीर को एक्टिव रखने में मदद करता है। सवाल- मसाज करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- पैरों की मालिश करते समय कुछ जरूरी बातें हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- क्या फुट मसाज सिर्फ तनाव कम करता है या और भी फायदे हैं? जवाब- पैरों की मालिश से न केवल तनाव और थकान घटती है, बल्कि ये शरीर के कई और हिस्सों पर भी सकारात्मक असर डालता है। आइए इसके फायदे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- क्या कोई घरेलू तरीके है जिससे पैरों की मालिश करने में आसानी हो? जवाब- हां, आप कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं, आइए इन तरीकों को ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- क्या ये आदत रोज अपनाई जा सकती है? जवाब- बिल्कुल। 10-15 मिनट की यह आदत न सिर्फ तनाव घटाती है, बल्कि एक शॉर्ट मेडिटेशन का एक्सपीरियंस भी कराती है। खासतौर पर जब आप थकान से चूर हों, दिनभर भागदौड़ में उलझे हों और दिमाग शांत न हो तो इस तरीके को अपनाकर बिना किसी दवा या खर्च के गहरी राहत पा सकते हैं।

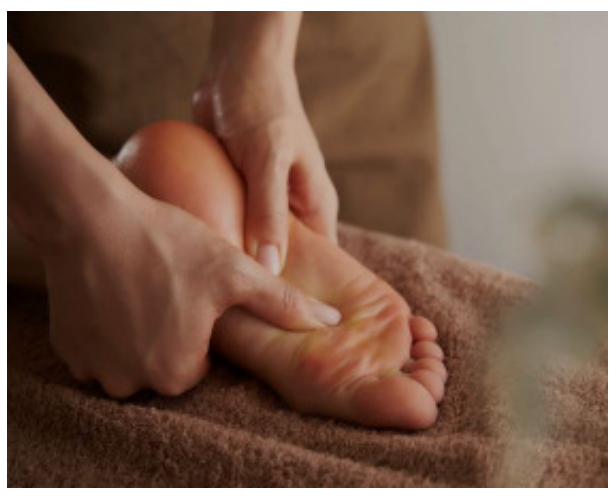

टेक्नोलॉजी या प्लानिंग हमें भगदड़ों से बचा सकती है

भारत दुनिया की भगदड़-राजधानी बनता जा रहा है। हर जगह भगदड़ है। धार्मिक मेलों में, खेल आयोजनों में, रेलवे स्टेशनों पर, राजनीतिक रैलियों और यहां तक? स्कूलों में भी। जानकार लोग कहते हैं कि भगदड़ें इसलिए हो रही हैं, क्योंकि भारत की बहुसंख्य आबादी नागरिक अधिकारों के प्रति अशिक्षित है। लेकिन वे पूरी तरह से गलत हैं। भगदड़ें अशिक्षा नहीं, बल्कि अपर्याप्त और लचर भीड़-प्रबंधन के कारण होती हैं। वैसे भी, एक तरफ देश में असाक्षरता घट रही है, दूसरी तरफ भगदड़ों से होने वाले हादसे बढ़ते जा रहे हैं। धार्मिक मेलों और खेल आयोजनों में एकत्र हो रही विशाल भीड़ इस बात का संकेत है कि भारत का उभरता हुआ मध्यम वर्ग अपनी समृद्धि का उत्सव मनाना चाहता है। भारतीय बेहद धार्मिक प्रवृत्ति के हैं और धर्मावलम्बी लोग तीर्थयात्राओं पर जाना चाहते हैं। चूंकि उनकी समृद्धि बढ़ी है, इसलिए उनके पास अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए संसाधन भी हैं। शुभ अवसरों के बारे में मान्यता है कि उनमें पुण्य भी बहुत मिलता है। इसलिए धार्मिक मेलों और शुभ अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। अशिक्षा में कमी और समृद्धि में बढ़ोतरी के चलते आप मान लें कि आने वाले दिनों में यह भीड़भाड़ और बढ़ेगी। जून में आईपीएल के जश्न के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत हो गई। पुरी की रथयात्रा में तीन लोग मारे गए। फरवरी में

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 18 जानें चली गईं। प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान कम से कम 30 लोगों की मृत्यु हो गई थी और उससे पहले जनवरी में भी तिरुपति की भगदड़ में छह लोग मारे गए थे। पिछले वर्ष भी हाथरस के एक धार्मिक कार्यक्रम में भगदड़ के बाद 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी और 150 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इन सभी मामलों में या तो भीड़-प्रबंधन बेहद लचर था या इसका पूर्णतः अभाव था। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और दुष्कर होता जा रहा है। अच्छी बात यह है कि इंस्टैंट कम्युनिकेशन की बेहतर क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए इसका प्रबंधन कर सकते हैं। ग्रीनविच विश्वविद्यालय के फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग समूह ने व्यवहार संबंधी प्रयोगों और गणितीय मॉडलों का उपयोग कर यह समझने का प्रयास किया है कि विभिन्न परिस्थितियों में भीड़ किस प्रकार से चलती है। उन्होंने पाया कि चार व्यक्ति प्रति मीटर से अधिक घनत्व की भीड़ का मूवमेंट जोखिमपूर्ण होता है। ऐसी भीड़ में चल रहे व्यक्ति को यह नहीं दिखता कि उसके आसपास क्या हो रहा है। वह सिर्फ अपने आसपास चल रहे चंद लोगों को ही देख पाता है। उसे इस बात का जरा भी अनुमान नहीं होता कि चारों ओर भीड़ का दबाव बन रहा है। हां, सीसीटीवी कैमरों के जरिए भीड़ की गंभीरता की निगरानी संभव है और रियल टाइम में सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं को जोखिम भरे इलाकों की जानकारी दी जा सकती है। रियल टाइम डेटा से निगरानी के अलावा हमें प्रयागराज, तिरुपति, पुरी, वाराणसी, बद्रीनाथ, द्वारका जैसे धार्मिक स्थलों पर प्रवेश के नियम-कायदे बनाने होंगे। इन शहरों में स्थानीय प्रशासन को वेनिस से सीख लेनी चाहिए, जहां आने वाले दैनिक आगंतुकों से शुल्क वसूला जाता है। धार्मिक मेलों के दौरान भीड़ कम करने के लिए शुल्क बढ़ा भी दिया जाता है। भारत में तो राजनेता ऐसा शुल्क लगाने में संकोच करेंगे, क्योंकि कोई भी ईश्वर के घर में प्रवेश पर शुल्क लगाने का दोष अपने सिर नहीं लेना चाहेगा। लेकिन अगर वो ऐसा करते हैं तो इससे प्राप्त होने वाले राजस्व को धार्मिक स्थलों की बदतर हो रही बुनियादी सुविधाओं को सुधारने पर खर्च किया जा सकता है। श्रद्धालुगण भी इसकी सराहना ही करेंगे। तीर्थयात्रा से एक सप्ताह पहले पंजीकरण को अनिवार्य किया जा सकता है, ताकि आने वाले लोगों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त संसाधन लगाए जा सकें। इस समस्या का कोई एक हल नहीं है। रेलवे स्टेशन का भीड़-प्रबंधन स्कूल और खेल आयोजनों से भिन्न होता है। वैष्णो देवी और तिरुपति मंदिरों में सुबह-शाम की आरती के दौरान भीड़-प्रबंधन की तकनीक धार्मिक यात्राओं और सियासी रैलियों से अलग होती है। महत्वपूर्ण यह है कि हम विशाल भीड़ को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। क्योंकि शहरीकरण और बढ़ती समृद्धि के कारण आने वाले समय भीड़ तो और बढ़ेगी ही। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और कठिन होता जा रहा है। पर इंस्टैंट कम्युनिकेशन की क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए प्रबंधन कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

अमेरिका और चीन के बीच हम क्या रणनीति अपनाएं?

2014 से 2018 के बीच शी जिनपिंग ने भारत को अमेरिका के भू-राजनीतिक घेरे से निकाल बाहर करने की भरसक कोशिशें की थीं। सितंबर 2014 में वे अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट के सामने नरेंद्र मोदी के साथ झूले पर बिना किसी वजह के नहीं बैठे थे।2008 में वुहान और 2019 में महाबलीपुरम में हुई समिट्स में उन्होंने दो और प्रयास किए। इन प्रलोभनों के अलावा शी ने ताकत की आजमाइश करने की भी कोशिश की। इसका सबूत डोकलाम था।

लेकिन कोई कवायद काम नहीं आई। भारत अमेरिका के खेमे में बना रहा। 2020 में गलवान की घटना हुई। भारत-चीन संबंधों को फिर से सामान्य होने में पांच साल लग गए।आखिर चीन भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन से दूर क्यों रखना चाहता है? दलाई लामा पर आक्रामक बयानबाजी और अरुणाचल प्रदेश में जिलों के नाम बदलने की हिमाकतों के बावजूद शी को पता है कि अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत एक तीसरा महत्वपूर्ण कोण है।अमेरिका को भी यह बात मालूम है। यही कारण है कि ट्रेड-वॉर की पेचीदगियों के बावजूद प्रतिरक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी और गहरा रही है। हालांकि, अमेरिका इस बात से भी चिंतित हो सकता है कि भारत अगला चीन बन सकता है।वो जानता है कि आज भारत की जीडीपी उतनी ही है, जितनी कि 2008 में चीन की थी। यदि भारत अपनी वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर को 8 प्रतिशत तक बढ़ाता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था 18 वर्षों में चौगुनी होकर 16 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी- जो आज चीन की अर्थव्यवस्था के लगभग बराबर होगी।बेशक अमेरिका के लिए भारत, चीन की तुलना में अलग तरह की चुनौतियां और लाभ प्रस्तुत करता है। यह चीन के उलट एक लोकतांत्रिक देश है। इसमें स्वतंत्र मीडिया और एक पारदर्शी न्यायपालिका है। कई मायनों में भारत की विविधता अमेरिका के अनुरूप है।इसलिए अमेरिकी थिंक टैंकों का मानना है कि एक ध्रुवीकृत दुनिया में भारत उनका आदर्श सहयोगी साबित होगा। लेकिन अमेरिका की फितरत यह है कि वह अपने प्रतिस्पर्धियों की नकेल कसने के बारे में सोचता रहता है, फिर चाहे वे आज के हों या आने वाले कल के।यही कारण है कि उसने 1990 के दशक से 2025 तक सोवियत संघ के बाद वाले रूस को घेरने के लिए नाटो के धीरे-धीरे बढ़ते विस्तार का इस्तेमाल किया था। रूस-यूक्रेन युद्ध के मूल में अमेरिका की यही नीति है। रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिससे चीन पर उसकी निर्भरता बढ़ गई है। शीत युद्ध के दौर के अपने प्रतिद्वंद्वी को कमजोर करने के बाद अब अमेरिका ने अपना ध्यान चीन की ओर लगाया है। लेकिन चीन रूस की तुलना में अलग तरह का खतरा पेश करता है। ईवी, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में चीन की बढ़त अमेरिकी आधिपत्य को चुनौती देती है। 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था 8 ट्रिलियन की हो जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया है कि भारत ने दशकों से चली आ रही अपनी शांतिवादी छवि को त्यागा है। अब पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला सैन्य-कार्रवाई से किया जाएगा। यह अमेरिका को चिंतित करता है। यही कारण है कि वह भारत को तंग करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करता है। भारत-उदय का डर बीजिंग को भी परेशान करता है, अलबत्ता पूरी तरह अलग कारणों से। अमेरिका की तरह चीन भी भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार का दोहन करना चाहता है। लेकिन भारत की बढ़ती ताकत उसे खटकती है। शक्तिशाली भारत के प्रति चीन का डर अमेरिका की तुलना में ज्यादा तात्कालिक है। ऐसे में भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? त्रिभुज के तीसरे कोण के रूप में भारत एक अच्छी स्थिति में है। हम चीन को दूर रखते हुए अमेरिका के साथ अपनी आर्थिक, तकनीकी और रक्षा साझेदारी को गहरा कर सकते हैं, लेकिन बीजिंग को भी भारत के बढ़ते उपभोक्ता बाजार का स्वाद चखने का मौका दे सकते हैं। अमेरिकी बाजार में प्रमुख चीनी निर्यात के लिए जगह नहीं होने के कारण बीजिंग को जल्द से जल्द विकल्प तलाशने की जरूरत है। आसियान और ईयू- दो विकल्प हैं। लेकिन चीन पहले से ही आसियान के साथ भारी व्यापार कर रहा है, जिससे उसका लाभ सीमित हो रहा है।इधर यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद ईयू के साथ संबंध खराब हो गए हैं। इस भू-राजनीतिक भूलभुलैया में भारत के पास कुछ महत्वपूर्ण कार्ड हैं। लेकिन अगले दशक की प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने के लिए उसे रणनीतिक रूप से कदम बढ़ाने होंगे। अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत तीसरा कोण है। अमेरिका को यह बात मालूम है। भारत-अमेरिका साझेदारी गहरा रही है। हालांकि अमेरिका इससे भी चिंतित है कि भारत अगला चीन बन सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं 'मिन्हाज मर्चेंट')

बिना भरोसे से क्विक कॉमर्स ने खरीदार और दुकानदारों को बदल दिया

कोविड के बाद कुछ वर्षों तक मैं परफ्यूम ऑनलाइन ही खरीदता था। क्योंकि ये सुविधाजनक था। घर पर डिलीवरी होती थी। ऑनलाइन-ऑफलाइन की प्रक्रिया भी एक जैसी थी और ये कांच की बोतलों की सार संभाल भी कर लेते थे। लेकिन बीते एक साल से मैंने ऑनलाइन खरीदारी बंद कर दी। क्योंकि कुछेक बार मुझे खराब अनुभव हुआ। मंगाया गया सामान मुझे नहीं मिला, बोतलें टूटी हुई और दूसरे फ्रेगरेंस की बोतल भेज दी गई।

इसे बदलने में भी बहुत समय लगा, जिसके कारण मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया। इसने मुझे कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) मोड पर खरीदने के लिए मजबूर किया। लेकिन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म सीओडी मोड पर ज्यादा पैसे लेने लगे। उन्होंने 50 रुपए तक के कई अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ना शुरु कर दिया। इसीलिए मैं सभी गैर जरूरी चीजें अपनी यात्राओं के दौरान हवाई अड्डों पर स्थित दुकानों से खरीदने लग गया। बोर्डिंग गेट पर इंतजार के वक्त मुझे कभी नहीं लगा कि मेरा समय व्यर्थ हो रहा है। इसके अलावा उन दुकानों पर टेस्टर भी उपलब्ध थे, जिससे मुझे सही फ्रेगरेंस चुनने में सहायता मिलती थी। ऐसा मैं अकेला नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के एक पूरे वर्ग को तत्काल डिलीवरी मांगने पर बिल में जोड़े गए शुल्क चुभने लगे हैं। बाजार के बड़े हिस्से पर दबदबा रखने वाले प्लेटफॉर्म बिल में कई सारे शुल्क जोड़ने लग गए हैं, जैसे हैंडलिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज, स्मॉल कार्ट शुल्क, बरसात का शुल्क और कभी-कभी सर्ज फीस। इससे वाकई में बिल बहुत बढ़ जाता है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे घरों के आसपास के स्थानीय दुकानदारों ने अब अपनी रणनीति बदल दी। वे अब क्विक कॉमर्स से भी अधिक त्वरित हो गए हैं। उन्होंने डिलीवरी करने वाले लड़कों में निवेश किया और वो चाहते हैं कि पड़ोस के ग्राहक सिर्फ उनसे ही सामान खरीदें। वे अपने दिमाग में एक नक्शा बना लेते हैं कि वे कहां तक सामान की डिलीवरी कर सकते हैं। और वो ऐसा इसलिए करते हैं ताकि उनकी बिक्री चलती रहे। जाहिर है कि ये दुकानदार डिलीवरी करने वाले लड़कों की तनख्वाह पर खर्च के लिए तैयार हैं और इस खर्च की भरपाई के लिए वे अधिक से अधिक इलाकों में पहुंच बनाते हैं। इससे उनकी बिक्री बढ़ती है। इस उपाय से उनकी दुकानों पर भी व्यस्तता रहने लगी है, जो पहले सिर्फ वहां तक आने वाले ग्राहकों की सेवा तक ही सीमित थीं। खरीदारों की आदत में एक बड़ा बदलाव यह भी आया है कि वे अब कुछेक ऑर्डर एक साथ मिला कर खरीदारी करते हैं, ताकि हर ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क देने से बचा जा सके। इन दिनों डिलीवरी बॉय बड़े थैलों के साथ आते है, जो महज छह माह पहले तक छोटे-छोटे थैले लेकर आते थे। पहले ग्राहक यह नहीं देखते थे कि वे क्विक कॉमर्स के जरिए कितनी बार ऑर्डर कर रहे हैं। लेकिन अब ये आदत नहीं रही। आपात स्थिति में टमाटर, कड़ी पत्ता जैसी सब्जियां और अन्य उपभोग की चीजें अब समीप के दुकानदारों से ली जा रही हैं, जो इन्हें 10 मिनट डिलीवरी प्लेटफॉर्म से भी अधिक तेजी से पहुंचाने के लिए तैयार हैं। ये उन प्लेटफॉर्म्स के लिए भी सुविधाजनक है, जो कम मूल्य की उन छोटी-छोटी खरीदारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं, जो शुरुआती तौर पर हमें आलसी बनाने के लिए थीं। चूंकि हम उपभोक्ता जल्दी से आलस्य की बीमारी में फंस गए तो इन प्लेटफॉर्म ने अपनी तिजोरी भरने के लिए कई प्रकार के शुल्क लगाना शुरू कर दिया। और अंत में यह चक्र पूरा हुआ। ग्राहक अब भी आलसी बने हुए हैं और सामान खरीदने के लिए घर से बाहर नहीं जाना चाहते। दुकानदारों ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म की ओर चले गए उपभोक्ताओं को वापस लाने के लिए डिलीवरी बॉय की सेवाएं जोड़ दीं। कुछ ग्राहक बाहर जाकर सामान खरीदने को तैयार हो रहे हैं। और प्लेटफॉर्म उन अमीर ग्राहकों को सेवा देकर खुश हैं, जो घर पर बैठकर सामान अपने दरवाजे पर मंगाना चाहते हैं। फंडा यह है कि इससे पहले कि खरीदारी के ये आधुनिक साधन हमारी जेब से ज्यादा पैसा ले उड़ें, हमें उस आपसी भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों की ओर वापस लौटना होगा, जो कभी हम दुकानदारों के साथ रखते थे।

क्या आपकी कंपनी मोमेंट मार्केटिंग के साथ विज्ञापन में बेहतर है?

तकरीबन तीन हफ्ते पहले हिंद महासागर में एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने के दौरान ब्रिटेन का लड़ाकू विमान एफ-35बी खराब मौसम के कारण डायवर्ट हो गया था। जब वह वापस विमानवाहक पोत पर नहीं लौट पाया तो केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कम से कम 110 मिलियन डॉलर का ये विमान तब से ही वहां मरम्मत के लिए खड़ा था। इंजीनियरों के कई प्रयासों के बावजूद ये ठीक नहीं हो पाया।यूके रॉयल नेवी को किसी भी शर्मनाक स्थिति से बचाने के लिए इस शनिवार तक इंजीनियरों की टीम जब विमान को फिर शुरू करने के अथक प्रयास कर रही थी, इसी बीच केरल की मार्केटिंग टीमें, मीम मेकर्स तेजी से सक्रिय हो गए।केरल पर्यटन विभाग ने शुरुआत की। अपने स्लोगन 'गॉड्स ओन कंट्री' के प्रमोशन में यूके की आपदा को, विभाग ने खुद के लिए अवसर में बदल लिया। पर्यटन विभाग ने एआई से बनाया पोस्टर

लॉन्च किया। इसमें कीमती विमान को लेकर मजाकिया 'रिव्यु' लिखा।मानो विमान खुद कह रहा हो, 'केरल शानदार जगह है, मैं यहां से जाना नहीं चाहता। मैं निश्चित ही इस जगह को फाइव स्टार रेटिंग दूंगा।' पोस्टर के नीचे एक कैप्शन लिखा था 'केरल-ऐसी जगह, जहां से आप कभी जाना नहीं चाहेंगे।' ये पोस्ट तत्काल वायरल हो गई और लोगों का ध्यान खींचने लगी। इंटरनेट पर सक्रिय लोगों ने इसे लेकर खूब मजाकिया टिप्पणियां की। शीघ्र ही कई अन्य लोगों ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया। गैजेट की एक छोटी दुकान ने भी इसी चित्र को जुलाई की बिक्री बढ़ाने के लिए काम में लिया, जो बरसाती मौसम में हमेशा घट जाती थी। 'क्या हुआ जो ये टूट गया, इसे जोड़ना क्या हमारा काम नहीं है?'इस विज्ञापन उत्सव में खाने के ब्रांड भी शामिल हो गए। एक विज्ञापन में जेट ने एक फूड ब्रांड को भी फाइव स्टार रेटिंग दी और इसमें कहा 'पवन फूड ने मेरी यात्रा को जायकेदार बना दिया। हर निवाले में घर जैसा स्वाद।' एक अन्य ने भी इस चित्र के साथ जोड़ा 'बहुत महंगा टी ब्रेक, दुनिया का अत्याधुनिक जेट भी खुद को केरल में ठहरने से नहीं रोक पाया। अच्छा नाश्ता आपके साथ ऐसा ही करेगा।' फेस टिश्यू बेचने वाली कंपनी ने पसीने से तरबतर पायलट को तरोताजा रखने को लेकर मजाक किया। उसने कहा 'सबकुछ योजना के अनुसार ही नहीं होता, जरा जेट से पूछिए।पर अच्छी बात है कि तरोताजा रहना तो आपके हाथ में है।' सब्जी बाजार ने एआई इमेजेस का उपयोग किया, जिनमें पायलट एक हाथ में गोभी, दूसरे में टोकरी लिए सब्जी ले रहा है। शिक्षण संस्थानों ने दावा किया कि पायलट इसलिए उतरा, क्योंकि वह उनके यहां एक कोर्स की पढ़ाई करना चाहता है। हालांकि विमान का असली पायलट तो कभी का वापस जा चुका था।वैवाहिक सेवाएं देने वाले पायलट के लिए उत्तम जोड़ी ढूंढ़ने लगे और पीवीसी पाइप निर्माता कंपनी ने जेट के लिए एक बरसात रोधी शेल्टर बनाने की पेशकश की। जब सभी लोग जेट के चित्र के साथ हो हल्ला कर रहे थे तो केरल का डेयरी विभाग कहां चुप रहने वाला था। उसने नारा दिया 'चलिए, आखिरकार कौन एक कूल ब्रेक लेना नहीं चाहेगा?' इसे मोमेंट मार्केटिंग कहा जाता है, जो डिजिटल मार्केटिंग की एक प्रमुख रणनीति है।इसके जरिए हम रचनात्मक तरीके से तात्कालिक घटनाओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी क्रिएटिव टीम में थोड़ी परिस्थिति संबंधी बुद्धिमता है, यानि उसमें ट्रेंडिंग या घट रही स्थितियों पर रचनात्मक मजाकिया वन लाइनर बनाने का गुण है तो आपका ब्रांड इंटरनेट पर मौकों को भुना सकता है और डिजिटल यूजर्स के दिमाग में जगह बना लेगा। और यही किसी विज्ञापन का सबसे महत्वपूर्ण काम होता है।सोचिए कि आपकी टीम मोमेंट मार्केटिंग में कितनी बेहतर है। अमूल एक राष्ट्रीय ब्रांड के तौर पर हर सप्ताह ऐसा कर रहा है। यह समाचारों में ट्रेंड कर रही किसी चीज को फिर से छूता है, इससे उपभोक्ताओं से जुड़ाव में सहायता मिलती है और उसे ट्रेंडिंग विषय को फिर से याद दिलाता है।फंडा यह है कि ग्राहक के दिमाग में चीजें बैठा देना ही मार्केटिंग है और इसके लिए मोमेंट मार्केटिंग से बेहतर क्या हो सकता है।

आपके रसोईघर के उपकरण बहुत जल्दी क्यों चलन के बाहर हो जा रहे हैं?

अगर आप मुंबई में मेरे दोस्त अंजन मुखर्जी के पास संडे-ब्रंच के लिए जाते हैं तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आप उनकी छत पर बैठकर एक गिलास बीयर या मौसम के हिसाब से गर्म सूप की चुस्कियां लें। यह उनकी पुरानी आदत है। मैं पिछले 30 सालों से उन्हें जानता हूं और उस ब्रंच में उनकी सबसे पुरानी आदत यह है कि वे बीयर की बोतलें 1990 के दशक के गोदरेज के लाल रंग के 165 लीटर के फ्रिज से निकालते हैं।खाना गर्म करने वाला उनका ओवन भी पिछली सदी का है। उनकी छत और छत तक जाने वाली सीढ़ियों पर रखी गई ज्यादातर चीजें अपनी उम्र से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं, फिर भी वे निष्ठापूर्वक उनकी सेवा करती हैं। हो सकता है कि वे चमचमाती हुई न हों। लेकिन वे अपना काम अच्छे से कर रही हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि मेरे और आपके घरेलू उपकरण जल्दी क्यों खराब हो रहे हैं? यह न कहें कि हमारे पास पुराने उपकरणों को रखने के लिए अंजन जैसी जगह नहीं है। यह सच नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने आधुनिक उपकरणों की तुलना अंजन की छत पर रखे 30 साल पुराने फ्रिज या 25 साल पुराने ओवन से करना बंद नहीं किया है। और इसे मनोवैज्ञानिक अप्रचलन कहते हैं! मनोवैज्ञानिक अप्रचलन का अध्ययन करने वाले और कई गैजेट के डिजाइन पर काम करने वाले लोगों का कहना है कि लोग काम कर रही मशीनों को भी बदल देते हैं क्योंकि उन्हें नए और ट्रेंडी या दोस्तों के बीच सबसे फैशनेबल टैग वाले उत्पाद चाहिए। लोग केवल किसी सामान के टूट जाने या खराब होने पर ही उसे नहीं बदलते हैं। वे इसलिए भी पुरानी चीजों को बदल देते हैं, क्योंकि नया सामान ज्यादा आकर्षक दिखता है, ज्यादा हाई-टेक होता है या वो बस उनकी दीवार के रंग से मेल खाने वाला होता है। डिजाइनर्स इस कमजोरी को जानते हैं और इसलिए वे लगातार नए लुक में सामान बनाते रहते हैं। यह उत्पादों के रिप्लेसमेंट को बढ़ावा देने और बिक्री बढ़ाने की एक सरल मार्केटिंग रणनीति है। मैंने कई तकनीशियनों से बात की, जिनके नंबर मेरे मोबाइल में इतने सालों से मेरे घरेलू उपकरणों की मरम्मत के चलते दर्ज हो गए हैं, और उन्होंने मुझे एक आश्चर्यजनक उत्तर दिया। शहर में आज भी ऐसे बेबी बूमर्स (1946 से 1964 के बीच जन्मे लोग) हैं, जिन्हें वे रिपेयरिंग सेवाएं दे रहे हैं और जिनके पास अभी भी पिछली सदी के उपकरण चल रहे हैं। एक कोरियाई कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले नरेंद्र कहते हैं, जब मैं उनके रसोई के उपकरण खोलता हूं तो अपने इंजीनियरिंग कौशल को बेहतर बना रहा होता हूं और पुराने उपकरणों की मरम्मत करने के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में यह भी एक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक उपकरण लंबे समय तक चलने के लिए नहीं बनाए जाते। यही कारण है कि कई उत्पादों में वारंटी और एक्सटेंडेड वारंटी भी 4 साल से अधिक नहीं होती है। पिछले कुछ वर्षों में उपकरणों को ठीक करने के लिए आसानी से मिलने वाले कई पुर्जों को डिजिटल से बदल दिया गया है, जो कि प्रोपराइटरी संस्करण होते हैं और उनकी मरम्मत नहीं किया जा सकती। रिपेयरिंग के महंगे हो जाने का एक कारण यह भी है। कुछ उत्पादों का औसत जीवन बढ़ा है तो कुछ में इसमें खासी कमी आई है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घरेलू उपकरण अपने औसत जीवन तक चलें तो ये ट्रिक्स आजमाएं : 1. एप्लायंसेस में ऐसे फीचर्स भी होते हैं, जिनका कोई शायद ही कभी उपयोग करता है या उन्हें समझता भी नहीं है। फिर आप उन्हें खरीदते ही क्यों हैं। नए रिलीज किए गए मॉडल को खरीदने से पहले दो बार सोचें। 2. एक्सटेंडेड वारंटी और नियमित रखरखाव में निवेश करें, ठीक उसी तरह जैसे आप हर तीन महीने में अपनी कार का मेंटेनेंस करते हैं। 3. यदि कोई छोटी-मोटी खामियां हैं तो उनके साथ जीना सीखें। नहीं तो खुद ही रिपेयर करने की कोशिश करें या इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे अपने बच्चों की मदद लें। बुरी से बुरी हालत में भी यह उनके लिए एक प्रशिक्षण तो होगा ही। फंडा यह है कि उत्पादों के कई साल न टिकने का कारण हमारी मानसिक अप्रचलनशीलता और निर्माता का डिजाइन बदलकर ज्यादा मुनाफा कमाने का लालच है। स्वयं निर्णय लें कि क्या आप उपकरणों को अपग्रेड करते रहना चाहते हैं या पुराने उपकरणों का उपयोग जारी रखकर अपनी मेहनत की कमाई बचाना चाहते हैं?

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो सकती है। हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है।वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है।पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है। इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए।वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि उसे फिल्म का नायक ब्रैड पिट बहुत पसंद है, बल्कि इसलिए कि पहले दो बार उसे नई एफ 1 पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है।जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं।थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है। वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है।फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं। पॉपकॉर्न बकेट, ड्रिंक सिपर्स, टीशर्ट जैसी ये नई चीजें ना सिर्फ लाखों की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि सिने प्रेमी अपने आनंद के लिए थिएटरों में आ रहे हैं और ऐसी कुछ चीजें लेकर वापस जा रहे हैं।ऐसे समय में जब बॉक्स ऑफिस बिक्री प्री-कोविड स्तर पर नहीं पहुंची है तो बड़ा मुनाफा देने वाली प्लास्टिक पॉपकॉर्न बकेट ही संभवतः थिएटरों के लिए बीते वर्षों में आई सबसे अच्छी खबर है।

ऑफिस में महिलाओं का सेक्सुअल हैरेसमेंट हो रहा,पुरुषों की सोच नहीं बदली, जज ने कहा- महिला डर, शिष्टाचार और माफी में जीती है

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को कहा- भले ही सख्त कानून बने हों, लेकिन ऑफिस में महिलाओं के साथ सेक्सुअल हैरेसमेंट अभी भी हो रहा है। क्यों पुरुषों की सोच नहीं बदली है। वर्क-प्लेस पर सेक्सुअल हैरेसमेंट का जम्मू-कश्मीर से जुड़े मामले में सुनवाई को दौरान जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा- एक महिला चाहे घर हो या ऑफिस हमेशा डर, शिष्टाचार और माफी के बीच जीती है। उन्होंने कहा कि शेक्सपियर की कविता महिलाओं की जिंदगी को सही ढंग से बयां करती हैं। आगे पंक्तियां पढ़ी- 'पहले मेरा डर, फिर मेरा शिष्टाचार, और आखिर में मेरी बात। मेरा डर आपका नाराज होना है, मेरा शिष्टाचार मेरा कर्तव्य और मेरी बात आपसे माफी मांगने के लिए।' यह केस जम्मू-कश्मीर के एक सरकारी अधिकारी आसिफ हमीद खान से जुड़ा है। उसपर दिसंबर 2014 में एक महिला ने शिकायत दर्ज कर सेक्सुअल हैरेसमेंट और धमकी देने का आरोप लगाया था। आसिफ हमीद खान ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके कहा कि विभागीय जांच में उन्हें पहले ही बरी कर दिया गया है। इसके अलावा, पुलिस ने केस में क्लोजर रिपोर्ट भी दाखिल कर दी थी। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट ने उन्हें समन जारी कर दिया। खान ने इसी आदेश को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने मंगलवार को आसिफ हमीद खान की अपील खारिज कर दी। साथ में 4 बड़ी बातें कही-सिर्फ विभागीय जांच में बरी होना, किसी एफआईआर से छूट पाने का आधार नहीं हो सकता। ट्रायल कोर्ट ने सही किया कि क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया और केस की सुनवाई आगे बढ़ाई। यह केस समाज का आइना है, जहां महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने की बातें तो होती हैं, लेकिन हकीकत में मानसिकता वही पुरानी है। पढ़ी-लिखी महिला होने के बावजूद शिकायत करने वाली को उत्पीड़न झेलना पड़ा। यहां तक कि ऊंचे सरकारी पद भी महिलाओं को सेक्सुअल हैरेसमेंट से नहीं बचा पाते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- सेक्सुअल हैरेसमेंट पर राज्य कंप्लेंट कमेटी बनाएं सभी राज्य वर्क-प्लेस पर महिलाओं को सेक्शुअल हैरेसमेंट से बचाने के लिए इंटरनल कंप्लेंट कमेटी बनाएं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने गोवा यूनिवर्सिटी के एक पूर्व प्रोफेसर की याचिका पर दिसंबर 2024 को यह निर्देश दिया था। बेंच ने कहा कि था, ' महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रिवेंशन ऑफ सेक्शुअल हैरेसमेंट एक्ट 2013 में आया था। इतने वक्त बाद भी इसे लागू करने में इतनी गंभीर खामियां मिलना चिंताजनक है। ऐसा होना बहुत ही ज्यादा दुखद है, क्योंकि इसका राज्यों की कार्यशैली, पब्लिक अथॉरिटी और पब्लिक संस्थानों पर खराब असर पड़ता है।

नेपाल अब सेना के कंट्रोल में,फिर भी हिंसा जारी, सुप्रीम कोर्ट में खाक हुईं 25 हजार फाइलें

उन्होंने उसे भी आग लगा दी। मुख्य न्यायाधीश और मुख्य रजिस्ट्रार के कक्षों को जला दिया।

25,000 मामलों की फाइलें राख में बदल गई हैं। तोड़फोड़ और आगजनी के कारण सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट बंद है, हालांकि डेटा का बैकअप लिया गया था। न्यायाधीशों द्वारा तैयार किए गए कई फैसलों के रिकॉर्ड कंप्यूटरों के साथ नष्ट हो गए हैं।

नेपाल के सरकारी अधिकारी आनन-फानन में आपातकालीन हेलिकॉप्टर पर लटककर ही देश छोड़कर भाग निकले। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायल हो रहा है। नेपाली सेना ने 27 उपद्रवियों को गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सेना का कहना है कि ये लोग स्थिति का गलत फायदा उठाकर तोड़फोड़, अराजकता, लूटपाट, आगजनी और जान-माल को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 33.7 लाख रुपए नकद जब्त किए हैं। इन लोगों को गौशाला, चाबहिल और बौद्ध क्षेत्रों से गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, सेना ने काठमांडू से 23 बंदूकें, मैगजीन और गोलियों सहित 31 हथियार और पोखरा से 8 बंदूकें बरामद की हैं। नेपाल के नवलपरासी पश्चिम जिला कारागार से 500 से ज्यादा कैदी फरार हो गए। जेल के अंदर उन्होंने आगजनी की और रिहाई की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्हें नियंत्रित करने के प्रयासों के बावजूद, ज्यादातर कैदी भागने में कामयाब रहे। स्थिति को संभालने के लिए जेल के अंदर सेना, पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल तैनात किया गया था। नेपाल 2008 तक करीब 250 साल राजशाही रही। हालांकि 1951 में लोकतंत्र की कोशिश शुरू हुई थी, लेकिन बार-बार इसे रोक दिया गया। 1996 से 2006 तक माओवादी विद्रोहियों और राजशाही के बीच 10 साल का गृहयुद्ध चला, जिसमें 17 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई। आखिरकार 2007 में राजशाही खत्म करने का निर्णय हुआ और 2008 में नेपाल को लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया।करीब 3 करोड़ आबादी वाले नेपाल में 100 से ज्यादा जातीय समूह और भाषाएं हैं, जिससे राजनीतिक सहमति बनाना हमेशा मुश्किल रहा है। 2008 के बाद से यहां लगातार सरकारें बदलीं और भ्रष्टाचार की घटनाएं बढ़ती रहीं।

सीपीएन-यूएमएल के नेता केपी शर्मा ओली 2015 में पहली बार प्रधानमंत्री बने। 2024 में उन्होंने नेपाली कांग्रेस के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाई थी और तय हुआ था कि 2027 तक दोनों पार्टियां बारी-बारी से सरकार चलाएंगी। लेकिन हिंसक प्रदर्शन के बाद मंगलवार को ओली ने इस्तीफा दे दिया। नेपाली सेना ने बुधवार को कहा कि देशभर में प्रोहिबिटेड ऑर्डर शाम 5 बजे तक रहेगी। इसके बाद रात 10 बजे से गुरुवार सुबह 6 बजे तक पूरे देश में कर्फ्यू लागू होगा। सेना ने सार्वजनिक सुरक्षा का हवाला दिया है। सेना के मुताबिक कुछ उपद्रवी समूहों ने प्रदर्शनों में घुसपैठ, तोड़फोड़, आगजनी, लूटपाट, लोगों और संपत्ति पर हमले और यौन उत्पीड़न की कोशिश की। सेना ने लोगों से सहयोग करने की अपील की है। नेपाल में विद्रोह के बाद 5 ऐसे में ज्यादातर बड़े नेता देश छोड़कर भागने की फिराक में हैं। पूर्व पीएम ओली भी दुबई जा सकते हैं। 3. आंदोलनकारी युवाओं का भविष्य- यह पूरा आंदोलन सोशल मीडिया और जेन-जी का है। इसका स्पष्ट नेतृत्व नहीं था। हिंसा और अराजकता ने आंदोलनकारियों पर भी सवाल उठा दिए हैं। इसका भविष्य भी बांग्लादेश के छात्र आंदोलन जैसा ही हो सकता है। 4. तुरंत चुनाव नहीं, आर्थिक दबाव-आंदोलनकारी संसद भंग करने और नए चुनाव की मांग कर रहे हैं। हालांकि देश के जो हालात हैं, उसमें यह तुरंत संभव नहीं दिखता। 5. राजशाही समर्थक आवाजें और मजबूत होंगी-इस विद्रोह से राजशाही समर्थकों को मौका मिला है। लोकतंत्र फेल होने का हवाला देकर राजशाही की वापसी की मांग जोर पकड़ सकती है।एयरपोर्ट ऑथोरिटी के मुताबिक काठमांडू का त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा आज शाम 6 बजे तक बंद रहेगा। पहले ये बंदी दोपहर 12 बजे तक थी, अब इसे बढ़ा दिया गया है। साथ ही घरेलू, अंतरराष्ट्रीय उड़ाने और निजी हेलिकॉप्टर सेवाएं रोक दी गई हैं। इस दौरान कोई भी उड़ान न तो आएगी और न ही जाएगी। नेपाली मीडिया आउटलेट कांतिपुर टीवी के मुख्यालय से अब तक धुएं का गुबार उठ रहा है। यहां कल विरोध प्रदर्शन के दौरान आग लगा दी गई थी। नेपाल में विरोध प्रदर्शनों के बीच, 'जेन ज़ी' समूहों ने इस हिंसा और तोड़फोड़ से खुद को अलग कर लिया है। 'जेन ज़ी नेपाल', 'हामी नेपाल' और 'हाउ टू देश विकास' जैसे समूहों ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा कि यह हिंसा उनकी नहीं है। उन्होंने कहा- ये हिंसा कुछ समूह अपने फायदे के लिए कर रहे हैं। जेन ज़ी ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की अपील की। जेन ज़ी बोले- यह अवसरवादियों और असफल नेताओं का काम है, जो हमारे आंदोलन को बदनाम करना चाहते हैं। नेपाल में फंसी भारतीय महिला ने वीडियो जारी कर वहां के हालात बताएं, साथ ही भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई। उपासना गिल नाम की इस महिला ने बताया कि वो नेपाल में वॉलीबॉल लीग होस्ट करने आई थी। जिस होटल में वो रुकी थी उसे जला दिया गया है। उनपर कई प्रदर्शनकारियों ने हमला भी किया।

समूहों ने प्रदर्शनों में घुसपैठ, तोड़फोड़, आगजनी, लूटपाट, लोगों और संपत्ति पर हमले और यौन उत्पीड़न की कोशिश की। सेना ने लोगों से सहयोग करने की अपील की है। नेपाल में विद्रोह के बाद 5 संभावनाएं- 1. सेना देश चलाएगी, दबदबा बढ़ेगा-नेपाल में बांग्लादेश मॉडल रिपीट हो सकता है। यानी सेना सरकार चलाएगी। सेना, राष्ट्रपति का साथ दे सकती है। देर रात से सेना सड़कों पर उतर भी चुकी है। 2. पुराने नेताओं की वापसी नहीं-आंदोलनकारी युवाओं यानी जेन-जी का गुस्सा प्रमुख पार्टियों के शीर्ष नेताओं पर ही है। यूनाइटेड नेशन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने नेपाल में चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर चिंता जताई है। उन्होंने प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में गुटेरेस ने इन घटनाओं की जांच की मांग की और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए संयम बरतने को कहा।

उन्होंने बातचीत के जरिए समाधान निकालने पर जोर दिया। गुटेरेस ने अधिकारियों से मानवाधिकार कानूनों का पालन करने और प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने, जीवन और संपत्ति का सम्मान करने की अपील की।

सुप्रीम कोर्ट बोला- हमें अपने देश के संविधान पर गर्व,पड़ोसी देशों में जारी हिंसा के बीच की टिप्पणी; नेपाल में अबतक 22 मौतें

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रपति और राज्पाल की विधेयकों को मंजूरी देने की समय सीमा से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि हमें भारत के संविधान पर गर्व है। नेपाल और बांग्लादेश वेक हालिया राजनीतिक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए अदालत ने ये टिप्पणी की। सीजेआई बीआर गवई ने कहा-पड़ोसी देशों में हो रही अस्थिरता भारत के मजबूत लोकतांत्रिक ढांचे की ताकत को रेखांकित करती है।यह बयान उस समय आया जब अदालत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपालों द्वारा राज्यों के विधेयकों को मंजूरी देने के लिए तय समय सीमा पर चर्चा कर रही थी।नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों से हालात बिगड़ गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद, पीएम, राष्ट्रपति वेक निजी आवास में आग लगा दी और सुरक्षा बलों से उनके हथियार छीन लिए। उन्होंने 3 पूर्व पीएम के घर पर हमला भी किया। पूर्व पीएम झालानाथ खनाल के घर में आग लगा दी। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार गंभीर रूप से जल गईं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। उधर, पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को उनके घर में घुसकर पीटा, जबकि वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को काठमांडू में उनके घर के पास दौड़ा-दौड़ाकर मारा गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक प्रदर्शनकारी उनके सीने पर लात मारते हुए दिख रहा है। देश में जारी हिंसक हिंसक घटनाओं के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पद से इस्तीफा दे दिया। सेना का एक हेलिकॉप्टर उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले गया। राजधानी काठमांडू और आसपास के इलाकों में झड़पों और आगजनी में अब तक 22 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं। नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों से हालात बिगड़ गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद, पीएम, राष्ट्रपति के निजी आवास में आग लगा दी और सुरक्षा बलों से उनके हथियार छीन लिए। उन्होंने 3 पूर्व पीएम के घर पर हमला भी किया। पूर्व पीएम झालानाथ खनाल के घर में आग लगा दी। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार गंभीर रूप से जल गईं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। उधर, पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को उनके घर में घुसकर पीटा, जबकि वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को काठमांडू में उनके घर के पास दौड़ा-दौड़ाकर मारा गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक प्रदर्शनकारी उनके सीने पर लात मारते हुए दिख रहा है। देश में जारी हिंसक हिंसक घटनाओं के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पद से इस्तीफा दे दिया। सेना का एक हेलिकॉप्टर उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले गया।राजधानी काठमांडू और आसपास के इलाकों में झड़पों और आगजनी में अब तक 22 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं।

कैबिनेट ने बिहार में दो प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी,रु7616 करोड़ का निवेश होगा,भागलपुर से रामपुरहाट तक सिंगल रेल लाइन डबल होगी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग हुई। बैठक में 7616 करोड़ रुपए के निवेश वाली बिहार में दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इसमें बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर में फोर लेन ग्रीनफील्ड मोकामा-मुंगेर हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी गई। इसे हाइब्रिड एन्युइटी मोड के तहत बनाया जाएगा, जिसकी कुल लंबाई 82.400 किलोमीटर और कुल 4447.38 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इसके अलावा बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 177 किमी लंबी भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन को डबल किया जाएगा, जिसकी कुल लागत लगभग 3,169 करोड़ रुपए है। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे लाइन मल्टी-ट्रैकिंग होने से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी। मोकामा-मुंगेर हाईवे मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे शहरों से होकर गुजरेगा और भागलपुर को जोड़ेगा। पूर्वी बिहार में मुंगेर-जमालपुर-भागलपुर बेल्ट एक प्रमुख इंडस्ट्रियल एरिया बन रहा है। यहां पर बंदूक कारखाना और रक्षा मंत्रालय द्वारा आयुध कारखाना बनने वाला है। इसके अलावा जमालपुर में लोकोमोटिव वर्कशॉप, मुंगेर में आईटीसी और संबंधित रसद और भंडारण केंद्र हैं। वहीं, भागलपुर में भागलपुरी सिल्क से जुड़े कारखाने बन रहे हैं। बड़हिया खाद्य पैकेजिंग, प्रसंस्करण और कृषि-गोदाम के लिए एक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। इससे मोकामा-मुंगेर हाईवे पर माल ढुलाई और यातायात बढ़ने की उम्मीद है। इससे करीब 1.5 घंटे का समय बचेगा। साथ ही यात्री और मालवाहक वाहन दोनों को तेज और सुरक्षित कनेक्टिविटी मिलेगी। वैष्णव ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से लगभग 14.83 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और 18.46 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेंगे। इससे झारखंड के देवघर (बाबा बैद्यनाथ धाम) और पश्चिम बंगाल के तारापीठ (शक्तिपीठ) जैसे प्रमुख स्थलों तक रेल संपर्क बढ़ेगा। सरकार ने कहा कि मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 441 गांवों, 28.72 लाख लोगों और बांका, गोड्डा और दुमका जैसे जिलों तक पहुंच बढ़ेगी। वैष्णव ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से तेल आयात में 5 करोड़ लीटर की कमी आएगी और सीओ2 उत्सर्जन में 24 करोड़ किलोग्राम की कमी आएगी, जो 1 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। बैठक में 12,328 करोड़ रुपए की चार रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें गुजरात के कच्छ क्षेत्र में 2,526 करोड़ रुपए की लागत से नई देशलपर-हाजीपीर-लूना और वयोर-लाखपत रेल लाइन शामिल है। इसके अलावा बिहार में भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन परियोजना (53 किमी) को 1,156 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा और असम में पुरकाटिंग-न्यू तिनसुकिया डबलिंग परियोजना (194 किमी) पर 3,634 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे पहले 19 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई थी। बैठक में 2 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई। इसमें राजस्थान के कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और ओडिशा में कटक-भुवनेश्वर 6 लेन रिंग रोड शामिल थी। पहला प्रोजेक्ट राजस्थान के कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का है, जिसकी अनुमानित लागत 1507 करोड़ रुपए होगी। दूसरा प्रोजेक्ट ओडिशा में 110.875 किमी लंबी और 6-लेन वाली कटक-भुवनेश्वर कैपिटल रीजन रिंग रोड का है। इसके निर्माण पर करीब 8307.74 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। 12 अगस्त : 4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स पहले से ही स्वीकृत हैं और आज 4 नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है। इसके तहत ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पंजाब में प्लांट्स लगाए जाएंगे, जिसके लिए 4,594 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इससे घरेलू चिप उत्पादन, पैकेजिंग और एडवांस्ड मटेरियल को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दो हजार लोगों को नौकरी मिलेगी। 8 अगस्त : उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी मिलती रहेगी, 5 फैसले- पीएम मोदी की अध्यक्षता में 8 अगस्त को कैबिनेट बैठक हुई थी। वैष्णव ने बताया था कि कैबिनेट की बैठक में 5 अहम फैसले लिए गए हैं। इसके लिए कुल रु52,667 करोड़ के फंड्स/प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। वैष्णव ने बताया था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 2025-26 में भी सब्सिडी दी जाएगी, जिसके लिए रु12,060 करोड़ मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम उज्ज्वला योजना को समावेशी विकास (सबके लिए विकास) के लिए वैश्विक स्तर पर सराहना मिली है। इसका मकसद लोगों की जिंदगी में बदलाव लाना है। 31 जुलाई : बैठक में 6 अहम फैसले लिए गए, 31 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई थी। इसके बाद केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया था, 'मोदी कैबिनेट की बैठक में 6 अहम फैसले लिए गए हैं। इनमें 2 किसानों और फूड सेक्टर से जुड़े हैं। वहीं चार फैसले नॉर्थ-ईस्टर्न सेक्टर में रेलवे नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए हैं।

मणिपुर में यूनाइटेड नगा काउंसिल ने दो एनएच ब्लॉक किए,ट्रकों को रोका,केंद्र से 1643किमी लंबे भारत-म्यांमार बॉर्डर पर फेंसिंग रोकने की मांग

इंफाल। मणिपुर के संयुक्त नगा परिषद ने केंद्र सरकार के खिलाफ 'व्यापार प्रतिबंध' शुरू किया है। इसके तहत बुधवार को नागा-प्रधान इलाकों और राज्य से निकलने वाले नेशनल हाईवे 2 और 37 को ब्लॉक किया। अब यहां पर वाहनों की लंबी लाइन लगी हुई है। यूएनसी केंद्र के 1643किमी लंबे भारत-म्यांमार बॉर्डर पर फेंसिंग और फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) समाप्त करने के फैसले का विरोध कर रहा है। साथ ही यूएनसी 26 अगस्त 2025 को केंद्र के साथ हुई असफल बैठक और उनकी चिंताओं पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने से भी नाराज है। यूएनसी ने इलाकों को ब्लॉक किया गया उनमें सेनापति, उखरुल और तमेंगलॉन्ग जिले शामिल हैं। इससे मणिपुर के अन्य हिस्सों में आपूर्ति लाइन बाधित हो गई है, जिसमें केंद्रीय घाटी और दक्षिणी कुकी-प्रधान पहाड़ी क्षेत्र भी शामिल हैं।यूएनसी की मांग है कि नागा-प्रधान क्षेत्रों में बॉर्डर फेंसिंग को रोका जाना चाहिए। साथ ही एफएमआर बहाल किया जाना चाहिए और नागा शांति प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। एनएच -2 और 37 हाईवे मणिपुर और पूरे पूर्वोत्तर के लिए बेहद जरूरी है। एनएच2 नगालैंड के दीमापुर को मणिपुर की राजधानी इंफाल से जोड़ता है। हाईवे मणिपुर-नगालैंड-मिजोरम का शेष भारत से संपर्क बनाए रखता है। मणिपुर में जरूरतों, जैसे - खाने-पीने का सामान, दवा, ईंधन और व्यापार के सामान, इसी हाईवे से आते-जाते हैं। वहीं, एनएच37 असम के बदरपुर से इंफाल को जोड़ता है। यह क्षेत्रीय परिवहन और व्यापार को आसान बनाता है। दोनों हाईवे सेना और सुरक्षा बलों की आवाजाही के लिए भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। पूर्वोत्तर के राज्यों के बीच व्यापार, पर्यटन और आपसी जुड़ाव बनाए रखने के लिए दोनों हाईवे जीवनरेखा की तरह काम करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को मणिपुर जा सकते हैं। हालांकि अभी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। पीएम मिजोरम में रेलवे प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। मणिपुर हिंसा के बाद मोदी का यह पहला मणिपुर दौरा है। मई 2023 में मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इस हिंसा में अब तक 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। दौरे की तैयारियों के बीच जिला मजिस्ट्रेट धरुण कुमार ने चुराचांदपुर जिले में गुरुवार को नो-ड्रोन जोन घोषित कर दिया है। आदेश के मुताबिक, अब जिले की सीमा में बिना सरकारी अनुमति के कोई भी ड्रोन, यूएएन, गुब्बारे या अन्य उड़ने वाले यंत्र उड़ाना प्रतिबंधित होगा। चुराचांदपुर कुकी बहुल है और मिजोरम से सटा हुआ है। 4 पॉइंट्स में समझिए मणिपुर हिंसा की वजह... मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय हैं- मैतेई, नगा और कुकी। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। नगा-कुकी ईसाई धर्म को मानते हैं। एसटी वर्ग में आते हैं। इनकी आबादी करीब 50फीसदी है। राज्य के करीब 10फीसदी इलाके में फैली इंफाल घाटी मैतेई समुदाय बहुल ही है। नगा-कुकी की आबादी करीब 34 प्रतिशत है। ये लोग राज्य के करीब 90फीसदी इलाके में रहते हैं।कैसे शुरू हुआ विवादः मैतेई समुदाय की मांग है कि उन्हें भी जनजाति का दर्जा दिया जाए। समुदाय ने इसके लिए मणिपुर हाई कोर्ट में याचिका लगाई। समुदाय की दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय हुआ था। उससे पहले उन्हें जनजाति का ही दर्जा मिला हुआ था।

पार्टनर शादी की बात टाल देता है,कहीं ये कमिटमेंट फोबिया तो नहीं, मुझे तो शादी चाहिए, क्या मैं ब्रेकअप कर लूं

नयी दिल्ली। विषय पर बात को समझते हैं एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा द्वारा सवाल जवाब के माधयम से। सवालः मेरी उम्र 29 साल है और मैं दिल्ली में रहती हूं। मैं और मेरा बॉयफ्रेंड पिछले 5 सालों से रिलेशनशिप में हैं। मैं पहले जिस कंपनी में काम करती थी, वहीं हमारी मुलाकात हुई थी। फिर जॉब चेंज होने के बाद भी हमारा रिलेशनशिप कंटीन्यू रहा। मैं शुरू से ही ये बात कहती थी कि मुझे शादी करनी है। मुझे फैमिली और बच्चे चाहिए। इन 5 सालों में उसने कभी इस बात का विरोध नहीं किया। उल्टे वो भी कहता था कि उसे भी शादी करनी है। मुझे लगता था कि इस रिश्ते का अंत एक सुंदर शादी और परिवार में होगा। शुरू के तीन साल तो सिर्फ रोमांस और करियर की दौड़ में निकल गए। पिछले दो सालों से मैंने शादी के बारे में पूछना शुरू किया। पहले तो वो कहता था कि हां देखेंगे, करेंगे, जल्दी क्या है। लेकिन अब पिछले एक साल से मैं नोटिस कर रही हूं कि वो शादी की बात बिल्कुल इंटरटेन ही नहीं करता। तुरंत टॉपिंग बदल देता है, बात को टाल देता है, कुछ और करने लगता है। वो हां भी नहीं करता और ना भी नहीं करता।

हैं। यह बिल्कुल नॉर्मल है। लेकिन आपका पार्टनर जब भी शादी की बात पर टालमटोल करता है, तो मन में डर और शक आना स्वाभाविक है। क्या वो सच में कमिटमेंट से डर रहा है, या बस समय का बहाने बना रहा है? आप जो महसूस कर रही हैं, वो हजारों लड़कियों की कहानी है। आइए इस समस्या को एक-एक करके समझते हैं। हम चुनौतियों की बात करेंगे, उनके पीछे के कारण देखेंगे और फिर कुछ आसान तरीके जानेंगे जिनसे आप फैसला ले सकती हैं। साथ ही, हम यह भी देखेंगे कि पुरुष और महिलाएं इस स्थिति में अलग-अलग कैसे सोचते हैं और आपके पार्टनर को क्या सलाह देनी चाहिए। याद रखें, रिश्ते में भरोसा और बातचीत से बहुत कुछ सुलझ जाता है। जब रिश्ता लंबा चलता है लेकिन शादी की बात पर रुक जाता है, तो कई परेशानियां सामने आती हैं। ये वो मुश्किलें हैं जो आपके मन को परेशान करती हैं और रिश्ते पर असर डालती हैं। कल्पना करें कि आप अपने बॉयफ्रेंड के साथ एक अच्छा डिनर कर रही हैं और आप शादी का जिक्र करती हैं। वो मुस्कुराकर कहता है, अभी नहीं, बाद में सोचेंगे। लेकिन आपके मन में सवाल उठता है। क्या वो मुझे सिर्फ टाइम पास समझता है? 5 साल के रिश्ते में यह असुरक्षा आपकी रातों की नींद हराम कर सकती है।29 साल की उम्र में महिलाएं अक्सर बायोलॉजिकल क्लॉक के बारे में सोचती हैं। फैमिली और दोस्त पूछते हैं, शादी कब कर रही? यह प्रेशर आपको उदास या तनावग्रस्त कर देता है, जबकि पुरुषों के ऊपर यह दबाव कम होता है क्योंकि समाज में उनकी उम्र शादी के लिए ज्यादा फ्लेक्सिबल मानी जाती है। हर बार जब वो अभी समय नहीं कहता है, तो आपको लगता है कि शायद वो कभी तैयार नहीं होगा। यह शक रिश्ते को कमजोर करता है और आप सोचती रहती हैं कि क्या इंतजार करके अपना समय बर्बाद कर रही हूं?यह स्थिति छोटी-छोटी बातों पर बहस में बदल जाती है। आपका मूड खराब रहता है और वो सोचता है कि आप ज्यादा डिमांडिंग हो गई हैं। इससे रिश्ते में इमोशनल कनेक्शन कम हो जाता है। कई पुरुषों को शादी का मतलब जिम्मेदारियां लगता है, घर, बच्चे, फैमिली। वे सोचते हैं कि अभी फ्रीडम एंजॉय कर लें। महिलाएं अक्सर रिश्ते को जल्दी कमिटमेंट में बदलना चाहती हैं क्योंकि वे भावनात्मक सुरक्षा ढूंढती हैं।दिल्ली जैसे शहर में जिंदगी महंगी है। आपका बॉयफ्रेंड शायद सोचता है कि शादी के बाद पैसे की दिक्कत

न हो। पुरुष अक्सर खुद को प्रोवाइडर मानते हैं, जबकि महिलाएं रिश्ते की भावनात्मक मजबूती पर ज्यादा जोर देती हैं। अगर उसके घर में तलाक या झगड़े हुए हैं, तो वो शादी से डर सकता है। महिलाएं अक्सर इन अनुभवों से सीखकर बेहतर रिश्ता बनाना चाहती हैं, लेकिन पुरुष इन्हें बहाना बना लेते हैं। वो कहता है कि अभी सही समय नहीं है। यह भी हो सकता है कि वह करियर या खुद पर फोकस करना चाहता है। महिलाएं रिश्ते को जीवन का हिस्सा मानती हैं, जबकि पुरुष कभी-कभी इसे अलग रखते हैं। अब सवाल यह है कि क्या इंतजार करें या फैसला लें? यहां कुछ आसान उपाय हैं जो आपको मदद करेंगे। याद रखें, रिश्ते में कुछ चीजें पैसों से नहीं खरीदी जा सकतीं, जैसे भरोसा, प्यार और कमिटमेंट। हालांकि, बातचीत सबसे जरूरी है। खुलकर बात करें- अपने बॉयफ्रेंड से शांति से बैठकर पूरी बात करें। आप उसे खुलकर बताएं कि आप इस बात से क्यों परेशान हो रही हैं। उससे उसका प्लान भी पूछें। इससे सच्चाई सामने आएगी। समय सीमा तय करें- खुद से कहें कि 6 महीने इंतजार करूंगी, अगर तब भी नहीं तो फैसला लूंगी। इससे आपको कंट्रोल मिलेगा। अपना ख्याल रखें- अकेले समय बिताएं, दोस्तों से मिलें, करियर पर फोकस करें। योग या वॉकिंग करें ताकि तनाव कम हो। प्रोफेशनल मदद लें- अगर बात नहीं बनती, तो काउंसलर से मिलें। वे आपको और आपके पार्टनर को समझने में मदद करेंगे। अपने लक्ष्यों पर सोचें-शादी आपकी जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन सबकुछ नहीं। अगर वो तैयार नहीं, तो क्या आप खुश रह सकती हैं? आपके पार्टनर के लिए सुझाव- आपका बॉयफ्रेंड भी इस स्थिति में परेशान हो सकता है। यहां उनके लिए कुछ टिप्स-धैर्य रखें: आपकी फीलिंग्स को समझें और जल्दबाजी न करें। खुलकर बात करें: अपने डर या कारण बताएं, जैसे फाइनेंशियल चिंता। समझौता करें: अगर तैयार नहीं, तो वजह बताएं और प्लान शेयर करें। साथ मिलकर फैसला लें: यह रिश्ता दोनों का है, अकेले न सोचें। क्या इंतजार करना सही है? समय सब ठीक नहीं करता, बल्कि आपकी कोशिशें करती हैं। अगर 5 साल में वो तैयार नहीं हुआ, तो शायद आगे भी न हो। लेकिन अगर वो प्यार करता है, तो बातचीत से रास्ता निकलेगा। अगर जरूरत हो तो प्रोफेशनल मदद लें। याद रखें कि आपकी खुशी सबसे जरूरी है। 5 साल लंबा रिश्ता तोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन अगर शादी आपकी प्राथमिकता है और वो तैयार नहीं है तो आपको सख्त फैसला लेना पड़ सकता है। हजारों लोग आपके जैसे सफर से गुजरे हैं और खुश हैं। खुद पर भरोसा करें और आगे बढ़ें। आप अकेली नहीं हैं आप मजबूत हैं। वहीं अगर आपको पार्टनर पर भरोसा है और इंतजार कर सकती हैं तो मिलकर एक समय सीमा तय कर लें।

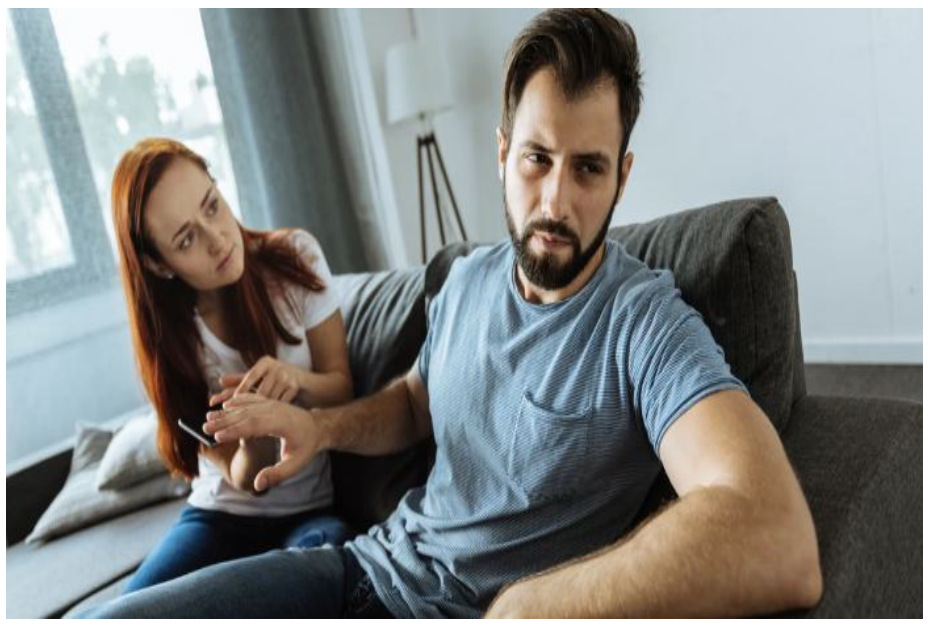

कहीं उसे कमिटमेंट फोबिया तो नहीं। मैं कैसे बात करूं? क्या मुझे वेट करना चाहिए या अपने भविष्य के बारे में सख्त फैसला लेना चाहिए?

जवाबः सबसे पहले तो आपकी बात सुनकर लगता है कि आप एक मजबूत और समझदार इंसान हैं। 5 साल का रिश्ता चलाना कोई छोटी बात नहीं है, खासकर दिल्ली जैसे

'सत्या' के सेट पर मुझे कुर्सी तक नहीं मिली,सुशांत सिंह ने शेयर किया शूटिंग का अनुभव,राम गोपाल वर्मा के असिस्टेंट ने दी थी गाली

मुंबई। राम गोपाल वर्मा की 1998 की फिल्म 'सत्या' भारतीय सिनेमा के लिए बड़ा मोड़ साबित हुई। इस फिल्म काम करने वाले एक्टर एक्टर सुशांत सिंह हाल ही में फिल्म की शूटिंग के अनुभव शेयर किए। डिजिटल कमेंट्री से बातचीत में सुशांत ने कहा कि उनका पहला दिन सेट पर मेकअप ट्रायल में ही निकल गया। मेकअप टीम उनके चेहरे पर निशान कहां होना चाहिए, यह तय कर रही थी। लगभग आधा दिन इसी में लग गया। उन्होंने बताया कि जब आखिरकार शूटिंग शुरू हुई, तो उनके किरदार के बारे में सौरभ शुक्ला और अनुराग कश्यप ने जानकारी दी। दोनों उस फिल्म के लेखक थे। उन्होंने कहा कि यह किरदार एक छोटे गुंडे का है, जिसने कभी चाकू भी नहीं देखा। सुशांत ने बताया, 'मैं फर्श पर बैठा था। पौधों के पास ईंटों पर। किसी ने कुर्सी तक नहीं दी। मुझे कोई नहीं जानता था। मैं सिर्फ एक स्ट्रगलिंग एक्टर था, जिसे एक गुंडे का रोल मिला था।' जब शूटिंग शुरू हुई और राम गोपाल वर्मा ने 'एक्शन' कहा, तो सुशांत ने एक्टिंग शुरू कर दी, लेकिन उन्होंने 'कट' नहीं कहा। सुशांत ने सीखा हुआ था कि जब तक 'कट' न हो, तब तक किरदार में रहना चाहिए। इसलिए वह करते रहे। उन्होंने बताया, 'काफी देर बाद कट बोला गया। तब रामू खुश भी हुए और बाद में मुझे डांटा भी। लेकिन उसी से उन्हें आइडिया मिला कि कट के बाद भी क्या-क्या हो सकता है।' पहले टेक के दौरान सुशांत ने इतना जोर से परफॉर्म किया कि उनका पायजामा फट गया। उन्होंने कहा, 'इसके बाद दूसरा टेक होना था। असिस्टेंट तौफीक भाई ने गाली दी और बोले, 'किसने बोला गिरने को? अब दूसरा पायजामा कहां से लाऊं?'' सुशांत ने बताया कि बाद में राम गोपाल वर्मा ने इस घटना का जिक्र अपनी किताब में भी किया। उन्होंने लिखा, 'क्योंकि मैंने कट नहीं कहा और एक्टर सीन करता रहा, मुझे देखने का मौका मिला कि कट और एक्शन के बीच क्या हो सकता है। यही सत्या की बेसिक स्टाइल बन गई।'

जब पूनम से मिलने आधी रात चले जाते थे शत्रुघ्न सिन्हा,शादी में 3 घंटे देर से पहुंचे,रीना रॉय से भी रहा अफेयर

मुंबई। 1971 का दौर। भारत-पाक में जंग जारी थी। कर्फ्यू की वजह से रात को बंबई (अब मुंबई) बिल्कुल शांत हो जाती थी। ऐसी ही एक घुप्प रात को शत्रुघ्न सिन्हा अपनी गर्लफ्रेंड पूनम चंदीरमानी से मिलने उनके घर पहुंच गए। उन्होंने तय कर लिया था कि अगर पूनम के घरवालों ने पकड़ लिया, तो भागकर कोर्ट मैरिज कर लेंगे। इधर इंतजार में पूनम भी दरवाजों में तेल डाल रही थीं, ताकि शत्रुघ्न के आने पर ये आवाज न करें। शत्रुघ्न बताते हैं, 'उस रात क्या होगा, इसके बारे में मैंने बहुत सोचा था, लेकिन जब पूनम से मिला, तो सबसे पहले उन्होंने इतना इंतजार कराने के लिए हल्का थप्पड़ मार दिया।' कहानी में 6 साल पीछे चलते हैं। 1965 में जून की कोई तारीख थी। पटना रेलवे स्टेशन पर 19 साल के शत्रुघ्न सिन्हा बंबई जाने वाली ट्रेन में सवार हुए। उनका एडमिशन पुणे के चर्चित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) में हो गया था। अपनी सीट पर बैठते ही शत्रुघ्न सिन्हा की नजर सामने स्कर्ट पहनी एक सुंदर लड़की पर पड़ी। वह अपने परिवार के साथ एक शादी में पटना आई थी और वापस बंबई लौट रही थी। लेखक भारती एस. प्रधान की किताब, 'एनिथिंग बट खामोशः द शत्रुघ्न सिन्हा बायोग्राफी' में शत्रुघ्न बताते हैं, 'पूनम को देखते ही मैं उनकी खूबसूरती का कायल हो गया था। मैंने देखा कि वे रो रही थीं। शायद उनके साथ आई बुआ ने उन्हें डांटा होगा। मैं भी घर छोड़कर जा रहा था, इसलिए रुआंसा था।' 'शत्रुघ्न अब पूनम से बातचीत की जुगत भिड़ाने लगे। शत्रुघ्न बताते हैं, 'प्रोमी (पूनम का निक नेम) को रोते हुए देख, जिंदगी में पहली बार मैंने एक फिल्मी डायलॉग पर्ची पर लिखा- 'इतने सुंदर चेहरे पर आंखों में आंसू अच्छे नहीं लगते। रोना नहीं।' और इसे उस समय की फेमस माधुरी मैगजीन में रखकर दे दिया। मुझे लगा था कि ऐसा करने से वो मुझे हीरो समझेंगी, लेकिन उन्होंने तो मैगजीन ही खिड़की से बाहर फेंक दी।'' इसके बाद शत्रुघ्न की पूनम से बात करने की हिम्मत नहीं हुई, हालांकि वो इस बात से मन ही मन खुश हो रहे थे कि पूनम ने मैगजीन में चिट्ठी देने वाली बात अपनी बुआ को नहीं बताई। कल्याण स्टेशन पहुंचकर, पूनम अपने घर के लिए निकल गईं और शत्रुघ्न एफटीआईआई, पुणे के लिए दूसरी ट्रेन पकड़ने। 'एनिथिंग बट खामोश' में शत्रुघ्न बताते हैं, 'मुझे लगा था कि जाते हुए वह पलटकर मुझे जरूर देखेगी, जैसा फिल्मों में होता है, लेकिन शायद वह 'मुड़-मुड़ कर न देख मुड़-मुड़ के' गाने से प्रभावित थी, क्योंकि उसने एक बार भी पलटकर नहीं देखा।' दो दिनों के सफर के दौरान पूनम ने भले ही भाव न दिया हो, लेकिन शत्रुघ्न ने उनकी बुआ का भरोसा जीत लिया था। इसलिए जाते वक्त बुआ ने अपने घर का पता दे दिया और घर आने का न्योता भी। दरअसल, पूनम की बुआ के कोई बच्चे नहीं थे, इसलिए उन्होंने अपने भाई से पूनम को गोद ले लिया था। वह उन्हीं के साथ रहती थीं। 3 साल बाद 1968 में पूनम 'मिस यंग इंडिया' बन गईं, लेकिन शत्रुघ्न अभी भी एक स्ट्रगलिंग एक्टर ही थे। पूनम को फिल्मों के ऑफर भी आने लगे। पूनम के मिस इंडिया बनने के बाद

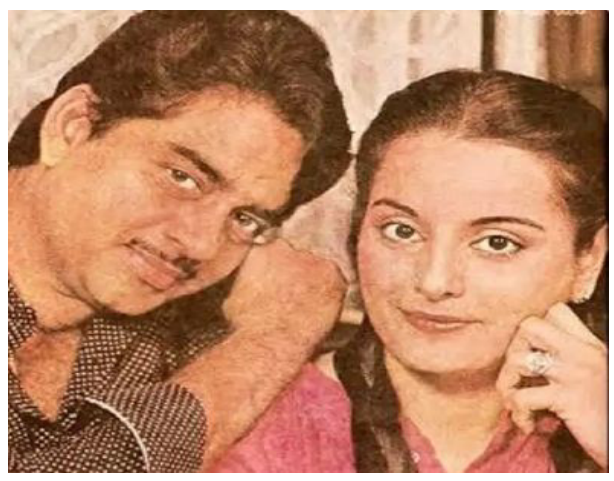

सिन्हा उनके घर भी गए, लेकिन वो घर पर नहीं मिलीं। कुछ दिनों बाद शत्रुघ्न काम ढूंढने अंधेरी के एक फिल्म स्टूडियो पहुंचे। उस दिन वहां बहुत भीड़ लगी थी। कोई नई फिल्म शुरू होने वाली थी, इसलिए मीडिया के लोग भी थे। सिन्हा भी उसी भीड़ में शामिल हो गए। थोड़ी देर बाद, एक लड़की शत्रुघ्न से टकराई और बोली 'आई एम वेरी सॉरी।' दोनों ने एक-दूसरे को पहचान लिया और बातें करने लगे। वो लड़की उस फिल्म की हीरोइन पूनम चंदीरमानी थी। शत्रुघ्न के मुताबिक, 'किसी फिल्म की हीरोइन का इस तरह एक स्ट्रगलिंग एक्टर से बात करना बड़ी बात थी। इससे मुझे बहुत खुशी हुई। मैंने पूनम और अपने बीच एक जुड़ाव महसूस किया।' 1970 के दशक में शत्रुघ्न को भी फिल्में मिलना शुरू हो गईं और दोनों की दोस्ती प्यार में बदल चुकी थी। 1971 में पूनम और शत्रुघ्न सिन्हा की फिल्म 'धरती की गोद में' आई। हालांकि इसमें पूनम हीरोइन और शत्रुघ्न विलेन के किरदार में थे। आगरा में इस फिल्म की शूटिंग के दौरान भीड़ ने हंगामा कर दिया था। लोग पत्थर तक फेंकने लगे थे। इस भगदड़ से बचने के लिए पूनम और शत्रुघ्न एक ही बाथरूम में बंद हो गए थे। धीरे-धीरे पूनम और शत्रुघ्न के अफेयर की बातें होने लगीं, तो पूनम की बुआ को बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसलिए जब पूनम और शत्रुघ्न को साथ में एक और फिल्म ऑफर हुई, तो उनकी बुआ ने साफ इनकार कर दिया। पूनम की बुआ उन्हें शत्रुघ्न सिन्हा से मिलने नहीं दे रही थीं और उनकी शादी के लिए सिंधी लड़के तलाशे जा रहे थे, लेकिन अपने दोस्तों और घर में काम करने वाले स्टाफ की मदद से दोनों छिपकर मिल लिया करते थे।

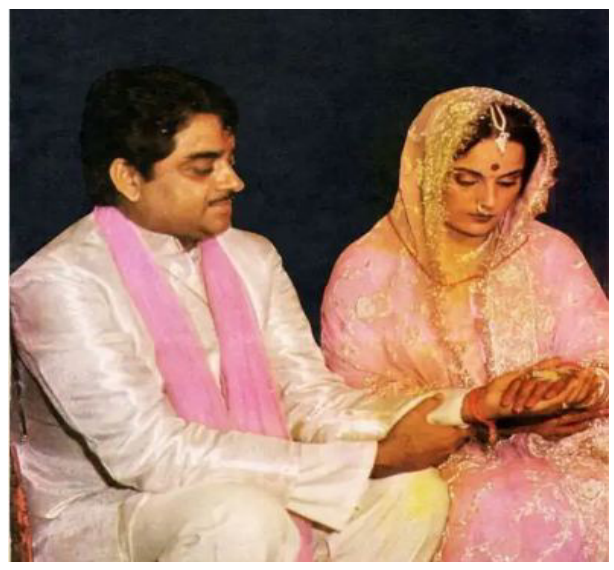

शत्रुघ्न फिल्म थिएटर में अपना मुंह ढक कर और काले चश्मे पहनकर पूनम से मिलने जाते। पूनम भी किसी तरह थिएटर आ जातीं। दोनों एक दूसरे को चिट्ठियां लिखते। इस समय तक शत्रुघ्न ने अपनी मां और चचेरी बहन अन्नपूर्णा को भी उनके और पूनम के रिश्ते के बारे में बता दिया था। जब शत्रुघ्न सिन्हा की फिल्में हिट होने लगीं, तो उन्हें लगा कि अब बुआ शादी के लिए मान जाएंगी। उन्होंने अपने बड़े भाई राम और प्रोड्यूसर एन. एन. सिप्पी को रिश्ता मांगने भेजा। एन. एन. सिप्पी को भेजने की वजह यह थी कि वह भी पूनम की तरह सिंधी थे।

हालांकि पूनम की बुआ ने यह कहकर रिश्ता ठुकरा दिया कि- 'अपने भाई को देखो और मेरी बेटी को देखो। मेरी बेटी इतनी गोरी और सुंदर है कि अगर दोनों की कलर फोटो भी ली जाए तो वह ब्लैक एंड व्हाइट आए।' सिन्हा की फिल्मों की सफलता के बाद उन्हें चाहने वालों की गिनती बढ़ती जा रही थी। इसी बीच उनकी जिंदगी में एक दूसरी एक्ट्रेस आईं- रीना रॉय। एक बार एक शादी समारोह में पूनम अपनी बुआ के साथ पहुंची थीं। शत्रुघ्न भी यहां आए हुए थे। इस समय तक शत्रुघ्न सिन्हा बॉलीवुड में बड़े स्टार बन चुके थे। सिन्हा ने पूरी शादी में पूनम और उनकी बुआ का खूब ध्यान रखा। कार्यक्रम खत्म होने के बाद अपनी गाड़ी में खुद ड्राइव करके घर भी छोड़ने गए। करियर के इतने ऊंचे मकाम पर भी शत्रुघ्न का सम्मानजनक व्यवहार बुआ को भा गया। उन्होंने 1973 में आई 'सबक' फिल्म में पूनम को शत्रुघ्न के साथ काम करने से भी नहीं रोका। इधर धीरे-धीरे बॉलीवुड की सफलता और लड़कियों से मिलता अटेंशन, शत्रुघ्न के सिर चढ़ने लगा था। अब वह दोस्तों के साथ शराब भी पीने लगे थे। एनिथिंग बट खामोश में सिन्हा खुद मानते हैं, 'मैं संगत, स्टारडम और अटेंशन के चक्कर में बहक गया था।' रीना रॉय से उनकी नजदीकी इतनी बढ़ गई थी कि बुआ के शादी के लिए राजी होने के बावजूद उन्होंने पूनम से सारे रिश्ते खत्म कर दिए। 'सबक' की शूटिंग के दौरान भी दोनों एक-दूसरे से बातचीत नहीं करते थे। शत्रुघ्न बताते हैं-'सबक के दौरान मैंने प्रोमी से रिश्ता तोड़ दिया था। वह मेरे लिए कुछ ज्यादा ही अच्छी थी। वह मुझसे बेहतर डिजर्व करती थी।' तीन साल तक शत्रुघ्न और पूनम के बीच कोई बातचीत ही नहीं हुई। ब्रेकअप के बाद भी पूनम शत्रुघ्न सिन्हा की मां के लगातार संपर्क में थीं। वो हर दिन शत्रुघ्न के घर फोन करके उनके स्टाफ से शत्रुघ्न का हाल पूछतीं, उनके खाने और दवा की याद दिलातीं। 'एनिथिंग बट खामोश' में शत्रुघ्न सिन्हा बताते हैं, 'उन दिनों प्रोमी बहुत रोती थी। उनका वजन भी कम हो गया था। वह शाकाहारी बन गई थीं और भगवान में उनकी आस्था बढ़ गई थी।' फिल्म इंडस्ट्री पूनम और रीना दोनों अभिनेत्रियों की साइलेंट लड़ाई देख रही थी। एक बार पूनम 'एस' लेटर लिखी नोजपिन पहनकर किसी इवेंट में दिखीं तो एक बार रीना रॉय भी दोनों तरफ 'एसएस' लिखे सनग्लास पहने दिखाई दीं। 1980 में एक दिन पूनम और उनकी बुआ शत्रुघ्न सिन्हा के बंगले रामायण में उनकी मां से मिलने पहुंचे। सुबह 11 बजे से शाम के 7 बजे तक तीनों बातें करती रहीं। शत्रुघ्न को कोई अंदाजा नहीं था कि आखिर चल क्या रहा है। शाम को पूनम और बुआ वापस लौट गईं, तो मां ने शत्रुघ्न से सिर्फ एक सवाल किया- वह मेरे लिए ज्यादा ही अच्छी है का क्या मतलब है?' मां की दखलअंदाजी के बाद शत्रुघ्न सिन्हा ने पूनम से शादी करने का फैसला कर लिया। उन्होंने पूनम से पूछा, 'जो कुछ हुआ, उसके बाद भी क्या तुम मुझसे शादी करोगी?' इस पर पूनम ने कहा, 'अगर आप मुझे ठीक तरह से प्रपोज करते हैं, तो मैं जवाब दूंगी।' इसके बाद सिन्हा ने पूनम को रामायण के टेरेस पर घुटनों के बल बैठकर शादी के लिए प्रपोज किया, जिसे पूनम ने स्वीकार कर लिया।उस समय रीना रॉय और शत्रुघ्न सिन्हा के अफेयर के खूब चर्चे थे। ऐसे में उनके पूनम से शादी के फैसले ने सभी को चौंका दिया। शत्रुघ्न ने अपने दोस्त डॉ. उपेंद्र को पूनम से शादी करने की वजह बताई थी। उनके मुताबिक, 'शत्रुघ्न ने मुझे बताया था कि रीना उनसे प्यार करती हैं, लेकिन पूनम उनकी पूजा करती हैं।'जब शत्रुघ्न के दोस्त मुंबई में उनकी और पूनम की शादी के कार्ड बांट रहे थे, तब शत्रुघ्न लंदन में रीना रॉय के साथ स्टेज शो कर रहे थे। शादी के दो दिन पहले तक वे लंदन में ही थे। एक इंटरव्यू में शत्रुघ्न ने बताया था, 'मैं अपनी शादी में तीन घंटे लेट पहुंचा था। पूनम को लग रहा था कि मैं शादी से पीछे तो नहीं हट गयाष्ठ'शादी के बाद भी रीना रॉय के साथ शत्रुघ्न सिन्हा के संबंध खत्म नहीं हुए। एनिथिंग बट खामोश के मुताबिक, 'शादी के बाद भी सिन्हा कई सालों तक रीना से मिला-जुला करते थे। पूनम भी यह बात जानती थीं।' शत्रुघ्न सिन्हा ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि वे और रीना 7 साल रिलेशनशिप में थे। एक समय तो ऐसा आया था जब शत्रुघ्न सिन्हा के बड़े भाई राम ने उन्हें रीना से दूसरी शादी करने के लिए कह दिया था। हालांकि सिन्हा ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। बाद में रीना ने 1983 में पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी कर ली और पाकिस्तान चली गईं। उनकी शादी ज्यादा दिन नहीं चली और 1992 में रीना तलाक लेकर भारत लौट आईं। उन दिनों यह बात खूब चली थी कि रीना को उनकी बेटी की कस्टडी दिलाने और भारत वापस लाने में शत्रुघ्न सिन्हा ने खूब मदद की थी।इस सब के बाद भी शत्रुघ्न और पूनम की शादी को 35 साल हो गए। और इन 35 सालों में वे एक सुखी कपल की तरह ही रहे। शत्रुघ्न सिन्हा के मुताबिक पूनम के सपोर्ट की वजह से ही वे अपने फिल्मी और पॉलिटिकल करियर की ओर ध्यान दे पाए। एनिथिंग बट खामोश में वे बताते हैं, 'यह सच है कि बहुत सी हीरोइनों से मेरी नजदीकियां थीं। उस समय मैंने पूनम को बहुत दुख पहुंचाया। इसके लिए मैं हमेशा शर्मिंदा रहूंगा।'शादी के 11 साल बाद 1991 में शत्रुघ्न सिन्हा राजनीति में आए। उन्होंने पटना साहिब से बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। 1996 और 1998 में फिर चुनाव लड़ा, लेकिन इस बार उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। 2000 में राज्यसभा गए। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। 2009 और 2014 में फिर पटना से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की, लेकिन इसके बाद सिन्हा और बीजेपी में दूरियां पैदा हो गईं। 2019 में वे कांग्रेस में शामिल हुए। इसी समय पूनम की भी राजनीति में एंट्री हुई और उन्होंने समाजवादी पार्टी जॉइन कर ली। शत्रुघ्न पटना से तो पूनम लखनऊ से चुनाव लड़ीं, लेकिन दोनों की हार हुई। इसके बाद 2022 में सिन्हा तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए और अब बंगाल के आसनसोल से लोकसभा सांसद हैं। उनकी राजनीति का केंद्र भी अब बंगाल हो गया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।